www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

दैनिक अनोखा तीर

हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित

निशाने पर हर खबर

29 जून 2022
हरदा, बुधवार
वर्ष-12, अंक- 25, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
आषाढ़ शुक्ल 1
विक्रम संवत् 2079

मौसम
अधिकतम - 32°C
न्यूनतम - 26°C

बात कहूँ मैं खरी-खरी

प्रहलाद शर्मा, संपादक

चुनाव लड़ाने वाले खुद लड़ रहे चुनाव

विकास के अभाव में मतदाता सुना रहे खरी-खोटी

विकास को मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में मतदाताओं के समक्ष जाने वाली भाजपा को अब विकास के अभाव में ही खरी-खोटी सुनना पड़ रही है। बीते 7 वर्षों से लगातार भाजपा की परिषद होने के बावजूद शहर में विकास के नाम पर सिवाय आश्वासन के कुछ नहीं होने के कारण जनसंपर्क दौरान प्रत्याशियों को मतदाताओं के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। संगठन के बलबूते पर चुनावी मैनेजमेंट में माहिर माने जाने वाली भाजपा संगठन के पदाधिकारी ही इस बार खुद चुनाव मैदान में प्रत्याशी बनकर उतर गए है। चुनाव लड़ाने वालों को खुद चुनाव लड़ने के कारण चुनावी रणनीति केवल इन प्रत्याशियों के वार्ड तक ही सिमट कर रह गई है, जिससे कई प्रत्याशी स्वयं को अकेला महसूस कर रहे है।

अनोखा तीर, हरदा।

नगरीय निकाय चुनाव में नगरपालिका और नगर पंचायत के अध्यक्ष पद हेतु सीधा निर्वाचन नहीं होने के कारण कई दिग्गज पार्षद चुनाव के लिए मैदान में उतर गए है। हरदा नगर पालिका के लिए सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के संगठन के ही 10 से अधिक पदाधिकारी चुनाव लड़ाने के बजाए खुद चुनाव लड़ने में जुटे हुए है। पार्टी द्वारा टिकिट वितरण को लेकर बनाई गई कोर कमेटी के कुछ सदस्यों ने खुद को ही टिकिट देकर उपकृत कर लिया है। शहर के 35 वार्डों में नजर डाली जाए तो इसमें भाजपा जिला, नगर मंडल, महिला मोर्चा, किसान मोर्चा आदि के पदाधिकारी खुद चुनाव लड़ने में मशगुल है। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष अमरसिंह मीणा की पत्नी श्रीमती आशा मीणा जो पूर्व में जिला पंचायत अध्यक्ष भी रह चुकी है वह अब वार्ड 16 से पार्षद का चुनाव लड़ रही है। भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती अनिता अग्रवाल जो पूर्व की परिषद में वार्ड 13 से पार्षद रही थी वह अब वार्ड बदलकर वार्ड 21 से चुनाव लड़ रही है। भाजपा जिला महामंत्री देवीसिंह सांखला जो पूर्व में स्वयं नगरपालिका अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुके वह अब अपनी पत्नी श्रीमती कैलाश सांखला को वार्ड 18 से चुनाव लड़ा रहे है। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विनोद गुर्जर स्वयं अपनी पत्नी श्रीमती बिंदु गुर्जर को वार्ड 17 से चुनाव लड़ा रहे है। भाजपा जिला महामंत्री लोकेशराव मराठा स्वयं वार्ड 7 से चुनाव लड़ रहे है, वहीं भाजपा जिला उपाध्यक्ष तथा पूर्व में मार्केटिंग सोसायटी के अध्यक्ष रह चुके राजू कमेडिया अपनी पत्नी श्रीमती भारती कमेडिया जो पूर्व में जिला पंचायत सदस्य रह चुकी है उन्हें अब वार्ड 34 से पार्षद का चुनाव लड़ा रहे है। भारतीय किसान मोर्चा के नगर मंडल अध्यक्ष मुन्नालाल धनगर स्वयं अपनी पत्नी श्रीमती रक्षा धनगर को वार्ड 03 से चुनाव लड़ा रहे है। भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य व नगर मंडल उपाध्यक्ष अशोक राठौर अपनी पत्नी श्रीमती अनिता राठौर को वार्ड 06 से चुनाव लड़ा रहे है। भाजपा आईटी सेल के संभागीय संयोजक तथा जिला भाजपा मीडिया प्रभारी दीपक नेमा स्वयं वार्ड 20 से चुनाव लड़ रहे है। इसी तरह कई अन्य भाजपा अनुसांगिक संगठनों के पदाधिकारी व सदस्य चुनाव मैदान में है। संगठन के

इन पदाधिकारियों द्वारा अपनी धर्मपत्नियों को या स्वयं के चुनाव मैदान में उतरने के कारण अन्य वार्ड के वह पार्टी प्रत्याशी जो संगठन के बलबूते पर चुनाव मैदान में उतरा करते थे आज वह स्वयं को अकेला और असहज महसूस कर रहे है।

मुद्दा ही बन गया समस्या

सत्ताधारी दल भाजपा हर चुनाव में अपने विकास को मुद्दा बनाकर चुनाव मैदान में उतरती रही है। लेकिन हरदा नगरपालिका क्षेत्र में भाजपा के लिए यही विकास का मुद्दा समस्या बनकर परेशानी का सबब बना हुआ है। चूंकि बीते 7 सालों से नगरपालिका की कमान भाजपा के हाथों में ही रही है। स्वयं मुख्यमंत्री ने पिछले नगरपालिका चुनाव में नगर की जनता से विकास के वादे करते हुए वोट की अपील की थी। मुख्यमंत्री ने तो भाजपा शासित नगरपालिका बनने पर हरदा को मिनी स्मार्ट सिटी तक बनाने का प्रलोभन दिया था। मुख्यमंत्री की बात पर हरदा की जनता ने ऐतिहासिक जीत के साथ हरदा नगर की सत्ता भाजपा के हवाले कर दी थी। लेकिन बीते 7 वर्षों के कार्यकाल पश्चात आज भाजपा के पास विकास के नाम पर बताने के लिए ऐसे सात काम भी नहीं है जिसके बलबूते पर वह मतदाताओं से उन्हें समर्थन की बात कर सकें। हालात यह है कि वार्ड 16 जहां से वर्तमान में भाजपा जिलाध्यक्ष की पत्नी श्रीमती आशा मीणा चुनाव लड़ रही है इस वार्ड से पूर्व में भाजपा के ही मोहन ठाकुर पार्षद रहे है। जो पांच वर्षों तक मिस्टर इंडिया की तरह जनता की नजरों से ओझल बने रहे। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती अनिता अग्रवाल बीती परिषद में वार्ड 13 से पार्षद रही। इस वार्ड में सड़क, नाली, पीने के पानी जैसी मूलभूत समस्याएं जैसी कल थी वैसी आज भी बनी हुई है। यहां पूर्व भी टैंकरों से पानी जाता था, आज भी वही हाल है। वर्षों से प्रतिवर्ष बाढ़ की त्रासदी झेलने वाले इस वार्ड में विकास के नाम पर महज दिखावा ही हुआ है। अब यही महोदया अपना वार्ड छोड़कर वार्ड 21 से चुनाव में किस्मत आजमा रही है। वार्ड 17 से जहां वर्तमान में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष की पत्नी बिंदु विनोद गुर्जर चुनाव लड़ रही है यहां पूर्व में विदेश से शिक्षा प्राप्त कर आए हिमांशु सांवरे पार्षद थे। सर्वाधिक गरीब आबादी वाले इस क्षेत्र के मतदाताओं को जो विकास की दरकार 7 साल पहले थी वही आज भी है। वार्ड क्रं. 25 के मतदाता तो वर्षों से आश्वासनों के सहारे ही बैठे रहे, लेकिन अब उनके सब्र का सेतु भी टूटने लगा है। इस वार्ड के मतदाताओं ने अपने वार्ड में चुनाव बहिष्कार का बोर्ड लगा दिया है। सड़क, नाली, बिजली नहीं तो वोट नहीं। अगर हम शहर के इसी तरह अन्य वार्डों का विश्लेषण करने जाए तो शायद ही ऐसा कोई वार्ड पूरे शहर में मिल पाए जो भाजपा के विकास का मॉडल कहला सके। हम नहीं कहते कि कांग्रेस ने कोई विकास किया हो बल्कि शहर के मतदाताओं ने कांग्रेस को भी एक बार पांच वर्ष के लिए तथा एक बार ढाई वर्ष के लिए नगरीय सत्ता के संचालन का अवसर दिया था, लेकिन विकास की झलक इस दौरान भी देखने को नहीं मिली। बल्कि कांग्रेस तो पांच साल पूरा कार्यकाल भी नहीं कर पाई और अपने ही पार्षदों के विरोध चलते अविश्वास प्रस्ताव के कारण खाली कुर्सी भरी कुर्सी के चुनाव में महज ढाई वर्षों में ही सत्ता गवा बैठी। यहां भाजपा से अपेक्षा भी इसलिए ज्यादा रही कि नगर की सत्ता के साथ ही भाजपा की प्रदेश और देश में सत्ता बरकरार रही है। ऐसी स्थिति में सत्ताधारी दल के नगरपालिका अध्यक्ष से लेकर विधायक, सांसद सब होने के बावजूद अगर नगर विकास से अछूता रहता है तो सवाल तो उठेगा ही। खैर चुनावी मौसम है छापने को तो बहुत कुछ है, लेकिन हम परते खोलकर छापने बैठे तो कहोंगे कि छापता है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में हुए कई फैसले

प्रदेश में 23 नए आईटीआई खुलेंगे

उज्जैन और बुधनी में दो नए मेडिकल कॉलेज खोलने पर भी सहमति

अनोखा तीर, भोपाल।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक में वित्तीय वर्ष 2022-23 एवं आगामी वित्तीय वर्षों के लिए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद के लिए निर्धारित वार्षिक सीमा 150 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 200 करोड़ करने का अनुमोदन किया गया। मंत्रि-परिषद ने विधायक निधि अन्तर्गत विधायक क्षेत्र विकास निधि योजना में 1 करोड़ 85 लाख में 65 लाख रुपए की वृद्धि करते हुए 2 करोड़ 50 लाख तथा विधायक स्वेच्छानुदान योजना में 15 लाख में 35 लाख की वृद्धि करते हुए 50 लाख करने का निर्णय लिया।

नवीन चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना- मंत्री परिषद ने जिला सीहोर स्थित बुदनी तहसील में 100 एमबीबीएस सीट प्रवेश क्षमता का चिकित्सा महाविद्यालय तथा 500 बिस्तर सम्बद्ध अस्पताल स्थापित करने के साथ नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता का नर्सिंग महाविद्यालय तथा पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता का पैरामेडिकल महाविद्यालय स्थापित करने की सैद्धांतिक सहमति दी।

इसी प्रकार उज्जैन में नए चिकित्सा महाविद्यालय स्थापित

करने के लिए स्नातक पाठ्यक्रम की 100 सीटों में वृद्धि करने के उद्देश्य से मंत्री-परिषद ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना से क्षेत्र की जनता को चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होने के साथ प्रदेश के छात्रों के लिए चिकित्सा क्षेत्र की 100 एमबीबीएस सीट की वृद्धि होगी।

25 समूह जल प्रदाय योजनाओं को पुनरीक्षित स्वीकृति- मंत्री परिषद ने जल जीवन मिशन में प्रदेश के विभिन्न जिलों में 11 हजार 100 करोड़ 72 लाख रुपए की 25 समूह जल प्रदाय योजनाओं की पुनरीक्षित स्वीकृति दी है। मिशन की इन जल प्रदाय योजनाओं से 6223 गांवों की ग्रामीण आबादी को उनके घर में ही नल से जल उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जाएगी।

तेन्दूपत्ता दर में वृद्धि- मंत्री परिषद ने वर्ष 2022 संग्रहण काल हेतु एवं आगामी आदेश तक तेन्दूपत्ते की संग्रहण दर 3 हजार रुपए प्रति मानक बोरा करने के निर्णय का अनुसमर्थन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 22 अप्रैल 2022 को वन समितियों के सम्मेलन में तेन्दूपत्ता संग्रहण दर 2500 रुपए से बढ़ाकर 3 हजार रुपए प्रति मानक बोरा करने की घोषणा की थी। वर्ष 2022 के लिए 16 लाख 29 हजार मानक बोरा तेन्दूपत्ता संग्रहण का लक्ष्य रखा गया है, जिससे संग्राहकों को 89 करोड़ रुपए का अतिरिक्त पारिश्रमिक प्राप्त होगा।

नवीन आईटीआई की स्थापना

प्रदेश के आईटीआई विहीन विकासखण्डों में नवीन 23 आईटीआई की स्थापना वर्ष 2022-23 के लिये प्रस्तावित 437 प्रशिक्षकीय पद एवं 253 प्रशासकीय पदों के सृजन की स्वीकृति एवं अपेक्षित अनावर्ती व्यय लगभग 32 हजार 499 लाख रूपये तथा पाँच वर्ष के लिए आवर्ती व्यय लगभग 9,890 लाख रूपये के वित्तीय प्रावधान का अनुसमर्थन किया। वर्तमान में प्रदेश में 52 जिलों में 213 विकासखण्डों में 238 शासकीय आई.टी.आई. संचालित हैं, जिनमें प्रवेश क्षमता 44 हजार 552 है।

सिंचाई परियोजनाएँ

मंत्रि-परिषद ने जबलपुर जिले की छीताखुदरी मध्यम सिंचाई परियोजना, लागत राशि 434 करोड़ 21 लाख रूपये सैंच्य क्षेत्र 16 हजार 875 हेक्टेयर और कुण्डालिया बहुउद्देशीय वृहद सिंचाई परियोजना जिला राजगढ़ लागत राशि 4614 करोड़ 73 लाख रूपये सैंच्य क्षेत्र 1 लाख 39 हजार 600 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी।

इंदौर में हर दूसरा सैंपल पॉजिटिव

- **प्रदेश में 24 घंटे में 67 नए संक्रमित, इसमें इंदौर के 45 केस**

अनोखा तीर, भोपाल/इंदौर । प्रदेश में कोरोना एक बार फिर डराने लगा है। पूरे प्रदेश में बीते चौबीस घंटे में कोविड के 67 नए मरीज सामने आए हैं। इनमें अकेले इंदौर के 45 हैं। इंदौर में हालात थोड़े ज्यादा डरावने हैं, यहां कोरोना का हर दूसरा सैंपल पॉजिटिव निकल रहा है। जिसके बाद यहां कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 182 हो गई है। हालांकि इनमें कोई भी गंभीर नहीं है। बाकी प्रदेश की बात करें तो सोमवार को भोपाल व रायसेन में 5-5, डिंडौरी,

ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम व सीहोर में 2-2 और बालाघाट व सीहोर में 1-1 पॉजिटिव सहित प्रदेश में कुल 67 पॉजिटिव मिले। जिसके बाद प्रदेश में कोरोना मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 454 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि इनकी ट्रैवल हिस्ट्री पता लगाई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क नहीं

कोरोना की सुस्त चाल को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग भी ज्यादा सतर्कता नहीं बरत रहा है। हालांकि विभाग का दावा है कि सभी टेस्ट निजी लैब में होने के कारण कोरोना के सोर्स का पता करने में दिक्कत आ रही है। वहीं मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री पता करने को लेकर भी विभाग उतना एक्टिव नहीं है, जितना कोरोना के पीक के समय था।

अनोखा तीर, भोपाल । मध्यप्रदेश में मानसून का ब्रेक खत्म ही प्रदेश के कई इलाकों में बारिश होने लगी है। मंगलवार को भोपाल के बैरसिया इलाके में आकाशीय

गुना-छिंदवाड़ा-खजुराहो और सागर में झमाझम, इंदौर-ग्वालियर में अलर्ट

भोपाल में बिजली गिरने से दो की मौत

बिजली करने से दो लोगों की मौत हो गई। कुछ इलाकों में बारिश हुई, जबकि कहीं-कहीं बूंदबांदी रही। शाम तक गुना में झमाझम होने लगी थी। सागर में बौछारें पड़ी, तो इंदौर में कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी रही। भोपाल, रायसेन, बैतूल, शिवपुरी, अशोकनगर, आगर, अशोकनगर, दतिया, सागर, दमोह, दतिया, निवाड़ी, सिवनी, सतना, रीवा, शिवपुरी, सिंगरौली अैर अनूपपुर में कहीं-कहीं अगले 4 से 5 घटों में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार सुबह तक रीवा, शहडोल, इंदौर, ग्वालियर, चंबल और उज्जैन संभागों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है।

दोपहर 4 बजे हादसा हुआ- बैरसिया में आकाशीय बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। बर्राई गांव के रहने वाले रघुनाथ जाटव अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान बारिश के साथ बिजली गिरने से उनकी मौत हो गई। इधर धतुरिया गांव के दौलत सिंह की भी खेत पर काम करने के दौरान बिजली गिरने से झुलसने से मौत हो गई। प्रदेश भर में इस साल जून में अब तक बिजली गिरने से 10 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

यहां झमाझम- दोपहर गुना में तेज बारिश शुरू हो गई। शाम साढ़े 5 बजे तक सबसे ज्यादा एक इंच तक पानी गिर चुका था। खजुराहो में करीब 1 इंच पानी गिरा। छिंदवाड़ा और टीकमगढ़ में आधा-आधा इंच पानी गिरा, तो भोपाल में, सागर, सतना और राजगढ़ में भी बारिश हुई। भोपाल में डिपो चौराहा समेत कुछ इलाकों में दोपहर करीब 2 बजे तेज बारिश हुई। इसके अलावा अन्य इलाकों में हल्की बूंदाबांदी हुई।

ग्वालियर में पारा चढ़ा- मध्यप्रदेश में मानसून सक्रिय तो गया है, लेकिन बंगाल की खाड़ी में मंगलवार को बनने वाला चक्रवात सक्रीय नहीं हो पाया है। इसके कारण ज्यादा बारिश नहीं हो रही है। अरब सागर सागर से नमी आने के कारण प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की बारिश हो रही है। इसी कारण मंगलवार को प्रदेश भर में तापमान भी चढ़ा रहा। ग्वालियर में अधिकतम तापमान 42 तक पहुंच गया। इसके अलावा खजुराहो और टीकमगढ़ में भी पारा 40 के पार निकल गया। पचमढ़ी में सबसे कम 29 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। भोपाल में अधिकतम तापतान 35, जबलपुर में 36 और इंदौर में 33 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

न्यूज ट्रेक

रथ के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति किया जागरूक

अनोखा तीर, खरगोन। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशों पर नगरपालिका सीएमओ श्रीमती प्रियंका पटेल द्वारा नगरपालिका निर्वाचन में मतदाताओं को अपने मत का उपयोग करने के उद्देश्य से 2 रथ तैयार कर शहर के 33 वार्डों में भ्रमण कर विभिन्न प्रकार से

प्रचार-प्रसार किया गया। साथ ही प्रचार रथ के माध्यम से मतदाताओं को अपने मत का उपयोग कर लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपील कर आमजनों को मतदान करने का संदेश दिया गया। वहीं प्रचार रथ के साथ 10 सदस्यीय टीम द्वारा मतदाताओं को नुक्कड़ नाटक कर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा सार्वजनिक स्थनों पर भी मत का उपयोग किए जाने संबंधी बेनर होर्डिंग लगाएं गए। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि अपने मत का उपयोग आवश्यक करें।

ग्रामीणों को मतदान के लिए किया जा रहा प्रेरित

अनोखा तीर, खंडवा। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत ब्लॉक खालवा के ग्राम ढकोची, उदयपुरमाल, पटाजन, खारकला, लंगोटी, गोलखेड़ा, विक्रमपुर, साबूढाना, झिंझरी में मतदाताओं को मतदान करने

की शपथ दिलाई गई। साथ ही ग्राम झिंझर, पटाजन, खेड़ी में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए जनजागरूकता रैली निकाली गई। इसके अलावा घर घर जाकर पीले चावल देकर ग्रामीणजनों को जागरूक किया।

पद के साथ महिलाओं को मिले पंचायत चलाने का अधिकार

अनोखा तीर, मसनगांव। प्रदेश सरकार के द्वारा त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण किया गया है। जिसमें कई पंचायत जो महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं, लेकिन अभी तक देखने को यह मिल रहा है कि जहां पर भी महिला सरपंच है, वहां पर उनके पति या ससुर के द्वारा पंचायत का संचालन किया जाता रहा है। इस बार फिर वही स्थिति दिखाई देगी। जिसमें एससी-एसटी वर्ग की महिलाओं के साथ ही पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के पद पर भले ही महिलाएं सरपंच चुनी गई हो, परंतु संचालन उनके पति व ससुर के हाथ में रहेगा। जबकि नियमानुसार जो व्यक्ति सरपंच पद पर बैठता है उसी को पंचायत चलाने की अनुमति होना चाहिए। शहरी क्षेत्रों में भले ही महिलाएं कुर्सी पर बैठकर शहरों का विकास करती हो, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी पुरानी प्रथा लागू है। जिसमें महिला को पद तो मिलता है, परंतु सरकार चलाने की अनुमति नहीं मिलती। यहां पर पति प्रतिनिधि बनकर कुर्सी पर राज करते हैं। जबकि होना यह चाहिए कि जिस व्यक्ति के लिए पद का आरक्षण किया गया हो, जनता ने उसी को वोट दिए है, इसलिए उसी व्यक्ति को कुर्सी पर बैठना चाहिए, जो निर्वाचित होकर आया है। परंतु होता अभी तक उल्टा आया है यही कारण है कि महिलाओं को पद तो मिल जाता है, परंतु अधिकार नहीं मिलता। जिसका वह उपयोग नहीं कर पाती हैं। आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं निर्वाचित होने के बाद चूल्हा चौके की जिम्मेदारी संभालती हैं और उनके पति ससुर आदि कुर्सी पर बैठकर गांव की सरकार चलाने का काम करते हैं। नियमानुसार प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इस प्रथा पर रोक लगाया जाना चाहिए तथा महिलाओं को उनका अधिकार दिलाया जाना चाहिए।

टाईमिंग मिलाने अधाधुंध दौड़ रही बसों के विरुद्ध यातायात पुलिस ने की कार्रवाई

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। सड़क सुरक्षा के तहत यातायात पुलिस द्वारा टाईमिंग मिलाने के लिए अंधी रफ्तार से दौड़ रही बसों सहित अनाधिकृत रूप से सड़क किनारे खड़ी करने से दुर्घटना को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बस स्टैंड से समय से निकल कर यात्रियों की तलाश में विलंब कर शीघ्रता से शहर से बाहर निकलने की कोशिश में लोगों की जान जोखिम में डालने वाले वाहनों के विरुद्ध सोमवार को यातायात पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाकर चालानी कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि शहर

के भीतरी सड़कों पर बेलगाम तरीके से बसों को चलाने की कुछ शिकायतें एसपी डॉ. गुरकरन सिंह ने संज्ञान में आई थी। जिस पर ऐसे वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। जिस पर यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा एवं यातायात टीआई आशीष पवार के नेतृत्व में यातायात पुलिस ने इस प्रकार के वाहनों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर ओव्हर ब्रिज तिराहा और एनएमवी तिराहे पर कार्यवाही की गई। अभियान में बिना वर्दी के वाहन चला रहे ड्राइवरों पर भी यातायात पुलिस की विशेष नजर रही है और इन्हें भी नहीं बख्शा गया। यातायात पुलिस द्वारा निर्धारित गति सीमा से अधिक गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 9 वाहनों से 9 हजार रुपए जुर्माना वसूला गया एवं बिना वर्दी, नेम प्लेट के 26 प्रकरणों में जुर्माना 13 हजार रुपए वसूला गया। 28 जून को नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 50 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जुर्माना राशि 28 हजार 250 रुपए वसूल किया गया है।

कई सालों से कर रहे हैं कबेलू जमाने का कार्य

सादिक खान, रहटगांव। बारिश के मौसम शुरू होते ही कच्चे घरों में पानी से बचाव के लिए मकानों पर कवेलू छाने का काम किया जाता है। वैसे आज के इस समय में अधिकांश मकान पक्के में तब्दील हो गए हैं। लेकिन कई मकान आज भी पुराने है। जिस पर कबेलू छाए हुए हैं। जिनको बारिश से पहले एक बार फेरने का काम कराना पड़ता है। जिसमें नगर के मिश्री मालवीय प्रमुख रूप से मकान छाने का काम करते हैं, पहले तीन लोग यह काम करते थे लेकिन अब मात्र एक मिश्री मालवीय ही घर छाने का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि 60 साल की उम्र में अभी भी मकानों पर कबेलू छाने का कार्य करते हैं, पहले कई मकानों को छाने का काम करते थे, लेकिन अब 20 से 25 मकान को ही छाते हैं। विगत दो-तीन सालों से बंदरों द्वारा कवेलू को तोड़फोड़ करते हैं, इससे भी काम मिल जाता है। तो कई मकानों पर कबेलू की जगह टीन रख लिए हैं। मकान छाने मे लगभग दस से पद्रह हजार का काम हो जाता है। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे यह कार्य बंद होने के कगार पर है।

टिमरनी में बनाए 27 मतदान केन्द्र

अनोखा तीर, हरदा।

आगामी 6 जुलाई को नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मतदान होगा। इसके लिए टिमरनी नगर के कुल 15 वार्डों में 27 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। रिटर्निंग अधिकारी टिमरनी महेश बड़ोले ने बताया कि टिमरनी के वार्ड क्र. 1 में स्थित सरदार कालोनी व पोखरनी रोड़ क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय नवीन माध्यमिक शाला भवन में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 2 में स्थित इंदिरा कालोनी व झाड़तलाई गोहा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र भवन में मतदान केन्द्र बनाया गया है। पोखरनी रोड़ व पटेल कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय प्राथमिक शाला भवन उत्तरी खण्ड में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 3 में स्थित छिंदगांव रोड़ क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या शाला प्राथमिक शाला भवन स्टेशन छिंदगांव रोड में मतदान केन्द्र बनाया गया है। राजाबरारी बोर्डिंग व पन्नाकाछी की बाड़ी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए नवीन माध्यमिक शाला भवन स्टेशन छिंदगांव रोड में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 4 में स्थित हरदा रोड व अमृत गंगा कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए जनपद पंचायत कार्यालय नवीन अतिरिक्त कक्ष में मतदान केन्द्र बनाया गया है। बलवटे कालोनी, पासी कालोनी तथा गद्रे कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए जनपद पंचायत के मिटिंग हॉल में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 5 में स्थित परसाई कालोनी व फारेस्ट डिपो क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या माध्यमिक शाला भवन पश्चिमी खण्ड में मतदान केन्द्र बनाया गया है। रहटगांव रोड़ व कहार मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिये शासकीय प्राथमिक शाला भवन में मतदान केन्द्र बनाया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 6 में स्थित स्टेशन बस्ती रोड, अमृत कालोनी व हनुमान पुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए कृषि उपज मण्डी कार्यालय टिमरनी में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 7 में स्थित ठाकुर बाबा मोहल्ला के मतदाताओं के लिए कृषि उपज मण्डी में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 8 में स्थित गांधी चौक, ठाकुर बाबा मोहल्ला, शंकर मंदिर व नाला मोहल्ला के मतदाताओं के लिए शासकीय नगर पालिका माध्यमिक शाला शुक्रवारा नवीन में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 9 में स्थित लोधी मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय नगर पालिका माध्यमिक शाला शुक्रवारा नवीन कमरा नं. 1 पश्चिमी खण्ड में मतदान केन्द्र बनाया गया है। बाजार लाईन व शास्त्री चौक क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय नगर पालिका माध्यमिक शाला शुक्रवारा नवीन कमरा नं. 3 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 10 में स्थित बाजार रोड, भायली रोड व मस्जिद रोड क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय नगर पालिका माध्यमिक शाला शुक्रवारा नवीन कमरा नं. 2 पश्चिमी खण्ड में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 11 में स्थित नदी रोड़, अग्रवाल भवन रोड, बाजार रोड, परदेशी पुरा, इतबारा बाजार, उस्ताद गली व खंगारपुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए नगर परिषद कार्यालय हॉल में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 12 में स्थित स्टेशन बस्ती रोड़ व गाडरीपुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए रैन बसेरा भवन हॉल टिमरनी में मतदान केन्द्र बनाया गया है। परदेशी पुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला नवीन भवन में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 13 में स्थित कृष्णकुंज कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में मतदान केन्द्र बनाया गया है। स्टेशन बस्ती रोड, हलदुल बाबा रोड, गुर्जर छात्रावास रोड के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 14 में स्थित हलदुल बाबा रोड क्षेत्र के मतदाताओं के लिए डॉ. अम्बेडकर मंगल भवन में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 15 में स्थित ईदगाह रोड, नदी रोड, हलदुल बाबा रोड व बहारपुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र भवन हाल वार्ड क्र.15 टिमरनी में मतदान केन्द्र बनाया गया है। उस्ताद गली व खंगार पुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए बीआरसी भवन पूर्वी खण्ड में मतदान केन्द्र बनाया गया है।

संपत्ति विरूपण संबंधी आदेश जारी

अनोखा तीर, हरदा।

जिले के चारों नगरीय निकायों में आगामी 6 जुलाई को मतदान होगा। अभ्यर्थियों द्वारा मतदान से पूर्व अपने अपने पक्ष में प्रचार किया जा रहा है। विभिन्न व्यक्तियों, राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव प्रचार करने के लिए शासकीय एवं अशासकीय भवनों पर नारे लिखे जाने की संभावना है, जिससे शासकीय सम्पत्ति का स्वरूप विकृत हो जाता है। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में शासन द्वारा म.प्र. सम्पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम 1994 पारित किया गया है। इस अधिनियम की धारा 3 में यह स्पष्ट उल्लेख है कि कोई भी जो, सम्पत्ति के स्वामी की लिखित अनुज्ञा के बिना, सार्वजनिक दृष्टि में आने वाली किसी सम्पत्ति को स्याही, खड़िया, रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिखकर या चिन्हित करके उसे विरूपित करेगा, वह जुर्माने से जो एक हजार रूपये तक का हो सकेगा दण्डनीय होगा। इस अधिनियम के अधीन दण्डनीय कोई भी अपराध संज्ञेय होगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी डीके सिंह ने जिले के टिमरनी, खिरकिया व हरदा एसडीएम तथा चारों नगरीय निकायों हरदा, खिरकिया, टिमरनी व सिराली के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सम्पत्ति विरूपण अधिनियम का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के दौरान यदि विभिन्न राजनैतिक दलों अथवा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों द्वारा किसी शासकीय एवं अशासकीय भवन की दीवालों पर किसी भी प्रकार के नारे लिखकर विकृत किया जाता है, विद्युत एवं टेलीफोन के खम्भों पर झंडियां लगाई जाती हैं अथवा ऐसे पोस्टर एवं बैनर लगाकर शासकीय सम्पत्ति को विकृत किया जाता है तो उस स्थिति में ऐसे पोस्टर एवं बैनर हटाने के लिए जिले के पंचायत निर्वाचन क्षेत्र के प्रत्येक थाने में 'लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता' तत्काल प्रभाव से पदस्थ किया गया है। इस दस्ते में लोक निर्माण विभाग के स्थायी गैंग के पर्याप्त संख्या में कर्मचारी पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि यह लोक सम्पत्ति सुरक्षा दस्ता थाना प्रभारी की देखरेख में कार्य करेगा।

नाली चौक होने से सड़क पर फैल रहा पानी

अनोखा तीर, सोडलपुर। ग्राम के बाजार चौक से चौधरी मोहल्ले की ओर जाने वाली सड़क पर पिछले कई दिनों से नाली का गंदा पानी फैल रहा है। नाली भरा जाने से यह पानी सड़कों पर पहुंच रहा है। जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस सड़क से दर्जनों परिवारों के लोगों का आवागमन लगा रहता है। वार्डवासी अनिल चौधरी, मनोज चौधरी, लाला कानवा, अखिलेश चौधरी ने कहा कि ग्राम पंचायत द्वारा यदि शीघ्र ही इस ओर ध्यान देकर व्यवस्था नहीं की तो सीएम हेल्पलाइन और जनपद पंचायत में शिकायत की जाएगी। इस संबंध मं ग्राम पंचायत सचिव रामपाल सोलंकी का कहना है कि पिछले एक महीने से आचार संहिता लगी होने के कारण सफाई कार्य नहीं कराया गया। एक-दो में नाली की सफाई करा दी जाएगी।

बीज खराब होने से प्रभावित हुआ सोयाबीन का अंकुरण

अनोखा तीर, मसनगांव।

मानसून की बेरुखी और मौसम की मार से खरीफ की मुख्य फसल सोयाबीन का अंकुरण प्रभावित होने लगा है। कहीं बीज की खराबी भी कारण बन रही है। क्षेत्र में खरीफ की फसल की बुवाई अधिकांश खेतों में पूरी हो चुकी है। परंतु कई किसानों के खेतों में सूखे की स्थिति बनी होने से सोयाबीन का अंकुरण प्रभावित हुआ, जिससे फसल उगने से पहले ही खराब हो गई। वहीं कुछ किसानों के द्वारा खराब बीज बोने से भी यह स्थिति बनी हुई है। बीच खराब होने की स्थिति में किसानों को दोहरी मार लग रही है। जहां पहले ही 8500 के भाव में किसानों ने अन्य जिलों से बीज खरीद कर अपने खेतों में बुवाई की थी, वहीं अब फिर से किसानों के द्वारा बीज की तलाश की जा रही है।

कृषि विभाग से नहीं मिल रही सलाह

जिले में कार्यरत कृषि विभाग के द्वारा किसानों को फसल बुवाई संबंधी सलाह नहीं दी जा रही है। जिस कारण किसान अपनी मर्जी के हिसाब से खेती करने को मजबूर हो रहे हैं। कम बारिश होने के बावजूद किसानों के द्वारा फसलों की बुवाई करने से फसल बुवाई के बाद से ही किसानों को अंकुरण की चिंता सताने लगी थी। कई खेतों में पानी की कमी होने से पर्याप्त अंकुरण नहीं हो सका। जिस कारण किसानों को दोबारा बोनी करना पड़ रही है। जबकि कृषि विभाग के द्वारा यदि समय पर सही जानकारी उपलब्ध कराई जाती है तो क्षेत्र के किसान फसलों की बुवाई को लेकर सजग हो सकते थे।

नहीं मिला फाउन्डेशन एवं सर्टिफाइड बीज

जिले में इस वर्ष जिस बीज की मांग किसानों के द्वारा की जा रही थी, वह बीज समितियों एवं बीज निगम के पास उपलब्ध नहीं हो सका। जिसके कारण किसानों ने किसानों के पास से ही बीज लेकर अपने खेतों की बुवाई कर डाली जिसमें कुछ बीज का अंकुरण अच्छा निकला तो, कुछ घटिया होने से अंकुरण नहीं कर पाया। जिससे जिन किसानों ने पहले बीज उगाकर देख लिया था, उनका तो बढ़िया निकला, परंतु कम बारिश के कारण कई जगह अंकुरण प्रभावित रहा। वहीं जिन किसानों ने सीधा किसानों से बीज लेकर खेतों में बो दिया, उन्हें दोबारा बोनी करने की नौबत आ गई। ग्राम में ही तीन-चार किसानों के खेतों में बीज का अंकुरण नहीं हुआ है, जिससे उन्हें पर्याप्त बारिश होने पर दोबारा बोनी करना पड़ेगी।

शासकीय कार्यालयों में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंधित

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जनजातीय कार्य विभाग नर्मदापुरम ने जिले के सभी विभागीय शासकीय कार्यालय, शैक्षणिक संस्थाओं एवं छात्रावास आश्रमों में 1 जुलाई से सिंगल वन यूज प्लास्टिक के उपयोग पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया है। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने तदाशय की जानकारी देते हुए बताया है कि उक्त प्रतिबंध कलेक्टर नीरज कुमार सिंह द्वारा समयावधि पत्रो की समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के परिपालन में लगाया है। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकमारियों एवं कर्मचारियों को उक्त प्रतिबंध का पालन कठोरता से करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही भविष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भी सिंगल वन यूज प्लास्टिक सामग्री का उपयोग पूर्णत: वर्जित किया गया है।

कार्यालय - संभागीय भूमि संरक्षण अधिकारी
नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण भोपाल, खण्डवा (म.प्र.)

Tel No. 0755-2677510
Fax No. 0755-2677535
E-Mail. : cepownvdahbho@mp.nic.in

नीलामी आमंत्रण पत्र

निविदा सूचना क्र./103 — भोपाल दिनांक 27/06/2022

संभागीय भूमि संरक्षण अधिकारी, खण्डवा

1. नीलामी की अनुमानित राशि - 10,000/-
2. धरोहर राशि रुपए में - 2000/-
3. नीलामी प्रपत्र का मूल्य - 1000/- एक हजार (वापस योग्य नहीं)
4. ऑनलाईन नीलामी क्रय करने की दिनांक - 27.06.2022 प्रातः 12:15 बजे से
5. ऑनलाईन नीलामी दस्तावेज जमा करने की दिनांक - 07.07.2022, प्रातः 11:30 बजे से
6. धरोहर राशि एवं पूर्व अर्हता प्रपत्र खोलने की दिनांक - 08.07.2022, दोपहर 01 से 03 बजे तक

नीलामी प्रपत्र उपरोक्त वेबसाईट पर क्रेडिट कार्ड या इंटरनेट बैंकिंग खाते से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाईन क्रय किया जा सकता है। निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए उपरोक्त वेबसाईट का अवलोकन करें।

अध्यक्ष अपलेखन एवं नीलामी समिति
संभागीय भूमि संरक्षण अधिकारी
नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
खण्डवा म.प्र.

जी-14010/22
•पहला डोज रक्षा - दूसरा डोज सुरक्षा। टीका के दो डोज पूर्ण, कोविड से सुरक्षा सम्पूर्ण।

नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने मांगा विधानसभा अध्यक्ष इस्तीफा

अनोखा तीर, भोपाल। कांग्रेस के पूर्व मंत्री व नेता प्रतिपक्ष गोविंद सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम को पत्र लिखा है। उन्होंने बेटे के लिए चुनाव में प्रचार करने के आरोपों से घिरे विधानसभा अध्यक्ष से इस्तीफ की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने हिमाचल के भूतपूर्व राज्यपाल गुलशेर अहमद का उदाहरण दिया। बताया कि अहमद प्रचार के दौरान सतना आए थे। इस चुनाव में उनका बेटा भी चुनाव लड़ रहा था। अहमद पर आरोप लगे, तो उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि मध्यप्रदेश में पंचायत चुनाव चल रहे हैं। चुनाव में गिरीश गौतम के बेटे राहुल गौतम जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने कहा कि देखने में आया है आपने बेटे के लिए प्रचार किया था। आप ऐसे संवैधानिक पद पर विराजमान हैं, जो निष्पक्ष कार्य के लिए जाना जाता है। बावजूद भी पद की गरिमा और मर्यादा का ध्यान न रखकर बेटे के पक्ष में प्रचार किया है, उससे विधानसभा सदस्यों की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

आप जो यह तस्वीर देख रहे हैं, वह शहर के राजीव गांधी वार्ड क्रमांक 13 की है। जहां करीब 6 माह पहले ड्रेनेज चेंबर बनाने के लिए गड्ढा खोदा था। इसके बाद यहां कोई काम नही हुआ। जिसके चलते लंबे समय से मोहल्ले के मुख्य मार्ग का यही हाल है। गड्ढे के ठीक सामने करीब 10 फीट की गली है। जो इस तरफ के मार्ग को उस तरफ के मार्ग से जोड़ती है। गड्ढे की वजह से बड़े वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। इस बारे स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां ड्रेनेज चेंबर बनना है। इसके लिए कई दिन पहले ये गड्ढा खोदा था। उसके बाद कोई काम नही हुआ। उन्होंनें कहा कि रात-अंधेरे बच्चे व बुजुर्गो के साथ अनहोनी की आशंका बनी रहती है। काम को ब्रेक लगना ही था तो इस जगह को सुरक्षित किया जाना था। लेकिन इस ओर मुढकर देखा तक नही है। हाल यह है कि यहां से गुजरने वाले लोग इतना तो कह ही देते हैं, कि यह बात गलत है।

आखिरकार बदल डाली सड़क की सूरत, 3 दिन में बिछाई 34 डंपर मुरूम

किसानों ने जनसहयोग से बनाया ग्रेवल मार्ग

किसानों ने जनसहयोग से खेत पहुंच मार्ग की सूरत ही बदल डाली। दरअसल, यहां अधिकांश किसान दुग्ध उत्पादन करते हैं। ऐसे में उन्हें सुबह-शाम नियमित आना-जाना पड़ता है। इस बीच बारिश के दिनों में आवागमन बाधित होता है। करीब सवा सौ मीटर कच्चे मार्ग पर उन्हें कीचड़ से दो-चार करना पड़ता था। हालांकि इस साल किसानों ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। इसके बाद किसानों का खेत आना-जाना सुगम हो गया है।

करीब सवा लाख रूपए में सवा सौ मीटर मुरूमीकरण

अनोखा तीर, हरदा।

शहर के नए पांच वार्डो में शामिल डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम वार्ड क्रं. 31 में किसानों को बारिश के दिनों में अपने खेतों तक पहुंचने में खासी दिक्कतें होती थी। हालांकि वार्ड के आबादी क्षेत्र भवानी कुंज तक मुरूम का मार्ग बना हुआ है, लेकिन इसके आगे कच्चा मार्ग होने के कारण किसानों को खेत पहुंचने से पहले कीचड़ का सामना करना पड़ता था। क्योंकि यहां अधिकांश लोग दुग्ध उत्पादन से जुड़े हैं। इसलिए सुबह और शाम दोनों समय नियमित आना-जाना तय रहता है। इस बीच बारिश शुरू होने के बावजूद किसान सड़क समस्या का समाधान करने की दिशा में जुट गए। इसके लिए पहले विचार-विमर्श का दौर चला, वहीं क्षेत्र के किसानों से संपर्क किया गया। जिस पर किसानों की सहमति मिलने के बाद जनसहयोग से राशि एकत्रित करने का निर्णय लिया गया। वहीं सड़क पर मुरूम बिछाने का काम शुरू कर दिया। इस दौरान मौसम भी किसानों का साथ देता हुआ नजर आया। परिणाम स्वरूप महज तीन दिन में यह कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। सड़क का मुरमीकरण होने के बाद किसानों का आवागमन सरल हो गया है। यहां बताना होगा कि जनसहयोग से सड़क की दशा बदलने से पहले स्थानीय किसान हर साल कोलवा मार्ग का रखरखाव करते थे। उस मार्ग पर पिछले साल जहां 39 ट्राली मटेरियल डलवाया था, वहीं उसके एक साल पहले 13 ट्राली मटेरियल डालकर सड़क सुधार की मुहिम प्रारंभ हुई थी। उसी मुहिम के बूते किसानों ने अपनी दो सड़कों में से एक सड़क का कायाकल्प कर दिया है। इसमें स्थानीय कृषक अजय पटेल, माखन शर्मा, राजू भाई, नितेश बादर, चन्द्रशेखर शर्मा, मोहनीष बादर, रितेश त्यागी, अनुराग शर्मा, छोटू बाबूजी, चौबे जी, हरीश गुप्ता, विजय शर्मा, योगेन्द्र शर्मा सहित अन्य किसानों की सराहनीय व सहयोगी भूमिका रही। जिसकी अन्य किसानों द्वारा प्रशंसा की जा रही है।

34 डंपर डाले, 5 बाकी

सक्रिय भूमिका निभाने वाले मोहनीष बादर ने बताया कि जनसहयोग से 34 डंपर मुरूम डाली गई है। जिसमें साढ़े 6 बरास के कुल 12 डंपर तथा साढ़े 3 बरास के कुल 22 डंपर डाले हैं। वहीं 4 से 5 डंपर ओर आना बाकी है।

आज पूर्ण होने की उम्मीद

उन्होंनें बताया कि जनसहयोग से करीब सवा लाख रूपए के आसपास खर्च आएगा। जिसमें सभी की सहभागिता सुनिश्चित की गई है। काम अंतिम चरण में है, जो कि बुधवार को पूर्ण होने की उम्मीद है।

11 जुलाई से मनाएंगे जनसंख्या स्थिरता माह

अनोखा तीर, हरदा।

11 जुलाई से 11 अगस्त तक जनसंख्या स्थिरता माह का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान जिले में परिवार कल्याण के स्थाई साधन के लिए जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में नसबंदी शिविर लगाकर प्रेरित किए गए योग्य दम्पत्तियों की नसबंदी की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एचपी सिंह ने बताया कि नसबंदी कराने वाले पुरूष हितग्राही को 3 हजार और प्रेरक को 400 रूपये।

इसी प्रकार महिला नसबंदी कराने पर हितग्राही को 2 हजार और प्रेरक को 300 तथा यदि महिला प्रसव के पश्चात् एक सप्ताह के अन्दर नसबंदी कराती है तो उसे 3 हजार दिए जाते हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस से पूर्व 27 जून से 10 जुलाई तक योग्य दम्पत्तियों से मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता द्वारा संपर्क कर उन्हें परिवार नियोजन के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर घर जाकर परिवार को नियोजित करने के लिए अस्थायी व स्थायी साधनों के उपयोग बताते हुए दो बच्चों के जन्म के बीच उचित अन्तराल रखने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। गृह भेंट के दौरान महिलाओं को अंतरा इंजेक्शन व छाया गर्भ निरोध गोली तथा आयूसीडी के बारे में बताया जा रहा है। डॉ. सिंह ने बताया कि परिवार नियोजन के अस्थायी साधन छाया एक गर्भ निरोधक गोली है, जो तीन माह तक सप्ताह में दो गोली और इसके पश्चात प्रति सप्ताह एक गोली खाने से बच्चों में अंतर रख सकते हैं। उन्होंने बताया कि परिवार नियोजन के लिए अस्थायी सभी साधन छाया, ओरल पिल्स, निरोध व अन्तरा इंजेक्शन शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क उपलब्ध है।

को-ऑपरेटिव बैंकों में भुगतान की लिमिट बढ़ाने की जरूरत

अनोखा तीर, हरदा।

जिले में को-ऑपरेटिव बैंकों में किसानों को समय पर भुगतान नही मिलने की बातें सामने आ रही हैं। जिससे किसान खासे परेशान हैं। वह इसलिए क्योंकि इन दिनों खरीफ फसलों की बुआई के साथ ही अन्य कृषि कार्यो के लिए किसानों को नकदी की जरूरत है। ऐसे में अगर बैंकों से उन्हें भुगतान नही होता है तो ये सब व्यवस्था लड़खड़ाने की कगार में आता है। यह कहना है भारतीय किसान यूनियन के बसंत रायखेरे का। उन्होंनें कहा कि पेमेंट के लिए किसान बैंकों के चक्कर लगा रहा हैं। इस संबंध में प्रशासन से चर्चा करनी चाही, लेकिन नही हो पाई। उन्होंनें बुधवार को इस मसले पर कलेक्टर ऋषि गर्ग से मुलाकात करने की बात कही है। ताकि को-ऑपरेटिव बैंकों में व्याप्त अव्यवस्थाओं से उन्हें अवगत कराया जा सके। श्री रायखेरे ने कहा कि सहकारी बैंकों की खासकर टिमरनी और रहटगांव शाखा की हालत खराब है। किसानों को अपना ही पैसा प्राप्त करने में मशक्कत करनी पड़ रही है, जो कि किसानों के हितार्थ नही है।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में प्रवेश प्रारंभ

अनोखा तीर, हरदा।

शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, हरदा में एनसीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यार्थी इंटरनेट के माध्यम से अपने स्तर से अथवा एमपी ऑनलाईन के मध्यप्रदेश में स्थित किसी भी कियोस्क के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था हरदा ने बताया कि शासकीय आईटीआई में प्रवेश के लिए एमपी ऑनलाईन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हैं। आईटीआई में प्रवेश के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित हैं, एवं च्वाईस फिलिंग 15 जून से की जा सकती है।

सार समाचार

पत्नी किसी और से बात करती थी...सिर में गोलियां मारी

यूपी से अरेस्ट, बोला- समझाया, पर मानी ही नहीं...

ग्वालियर (एजेंसी)। ग्वालियर में पत्नी की हत्या के आरोपी कांग्रेस नेता को पुलिस ने उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। वह समाजवादी पार्टी के गढ़ मैनपुरी में मिला। सूचना ऐसी भी है कि उसने सरेंडर किया है। उसने पूछताछ में पुलिस को बताया- पत्नी किसी से फोन पर बात करती थी। दिन हो या रात फोन पर लगी रहती थी। कई बार मना कर चुका था। नहीं मानी तो मैंने 3 गोली मार दी। अब पुलिस यह पता लगा रही है फरारी के 21 दिन उसने कहां और किसी मदद से काटे। बता दें, कांग्रेस नेता ऋषभ भदौरिया ने 6 जून 2022 की रात 3 बजे पत्नी भावना सिंह की हत्या कर दी थी। इसके बाद हथियार और जरूरी सामान लेकर फरार हो गया था। भावना के पिता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। आरोपी ने हत्या अपने दो बच्चों के सामने अंजाम दिया था। पुलिस ने बच्चों के भी बयान लिए थे। ग्वालियर क्राइम ब्रांच को तभी से उसकी तलाश थी। उसे मैनपुरी के बेवर कस्बे से पकड़ा गया है। क्राइम ब्रांच की टीम उसे ग्वालियर लेकर आ गई है।

पुलिस ने इनाम किया था घोषित- क्राइम ब्रांच एडिशनल एसपी राजेश दंडोतिया का कहना है कि कांग्रेसी नेता की गिरफ्तारी पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया था। वह पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। आरोपी पर थाटीपुर इलाके में ही उसके दोस्त पर हमला करने और फायरिंग करने का भी मामला दर्ज है।

मतदान दल गठन के लिए द्वितीय रेण्डमाइजेशन संपन्न

अनोखा तीर, हरदा। नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मतदान दलों का गठन किया जा रहा है। मतदान दलों की ड्यूटी के लिए उनके नगरीय निकाय तय करने के लिए कलेक्टर ऋषि गर्ग की उपस्थिति में द्वितीय रेण्डमाइजेशन एनआईसी कक्ष में सम्पन्न हुआ। इस दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी शैलेष दुबे ने निर्वाचन आयोग के सॉफ्टवेयर के माध्यम से रेण्डमाइजेशन की कार्यवाही सम्पन्न की। अपर कलेक्टर जे.पी. सैयाम भी इस दौरान मौजूद थे।

मतदान दलों को प्रशिक्षण दिया

अनोखा तीर, हरदा। नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए आगामी 6 जुलाई को मतदान संपन्न होगा। इसके लिए मतदान दलों का गठन किया जा चुका है। मंगलवार को मतदान दलों में नियुक्त अधिकारी कर्मचारियों को पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ राम कुमार शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। मास्टर ट्रेनर्स ने इस अवसर पर मतदान दलों में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियो से कहा वे राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अच्छी तरह अध्ययन करें, तथा मतदान दलों व पीठासीन अधिकारी के लिए आयोग द्वारा जारी निर्देशों का पालन करते हुए स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान संपन्न कराएं।

खिरकिया नगर में बनाए 26 मतदान केन्द्र

अनोखा तीर, हरदा।

आगामी 6 जुलाई को नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मतदान होगा। इसके लिए खिरकिया के कुल 15 वार्डों में 26 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। रिटर्निंग अधिकारी महेश बमन्हा ने बताया कि खिरकिया के वार्ड क्र. 1 में स्थित किसान मोहल्ला व माली मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय प्राथमिक शाला भवन गौमुख पूर्वी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। गोमुख क्षेत्र व चिरघर क्षेत्र के मतदाताओं के लिए डॉ. अम्बेडकर भवन खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 2 में स्थित मस्जिद रोड़, खेड़ीपुरा रोड़ व गिट्टी खदान क्षेत्र के मतदाताओं के लिए कौशल विकास केन्द्र पूर्वी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 3 में स्थित बाफना कालोनी, रामनगर कालोनी व गिट्टी खदान रोड़ क्षेत्र के मतदाताओं के लिए नगर परिषद कार्यालय खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 4 में स्थित माली मोहल्ला, शीतला माता रोड़, गांधी चौक, लौधी मोहल्ला व गौमुख रोड़ क्षेत्र के मतदाताओं के लिए कौशल विकास केन्द्र पश्चिमी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 5 में स्थित किसान मोहल्ला व हरिजन मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय प्राथमिक शाला गौमुख पश्चिमी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। गौमुख रोड, मंगलवारा बाजार, कुड़ावा रोड, तहसील रोड, भीलटबाबा क्षेत्र व काली माता मंदिर क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय प्राथमिक शाला भवन गौमुख अतिरिक्त कक्ष खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है।

इसी प्रकार वार्ड क्र. 6 में स्थित वंदना होटल से फारेस्ट रोड़ व अस्पताल क्षेत्र व ब्लॉक कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए जनपद पंचायत खिरकिया का नवनिर्मित हॉल पूर्वी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। मेन रोड, कॉलेज रोड एवं विद्युत सब स्टेशन रोड क्षेत्र के मतदाताओं के लिए जनपद पंचायत खिरकिया का नवनिर्मित हॉल पश्चिम भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 7 में स्थित खदान क्षेत्र, मुर्गीपालन क्षेत्र, गुप्ता टाकीज क्षेत्र, मेन रोड क्षेत्र एवं हर्ने की बाड़ी का समस्त क्षेत्र में मतदान केन्द्र बनाया गया है। मारवाड़ी होटल वाली लाइन क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या प्राथमिक शाला अतिरिक्त कक्ष खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 8 में स्थित खण्डेल का मकान से राजपूत धर्मशाला वाला क्षेत्र व कृष्णकांत बिल्लौरे वाला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या प्राथमिक शाला अतिरिक्त कक्ष पूर्वी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। मेन रोड, राठी दाल मिल क्षेत्र व पुरानी गल्ला मंडी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या प्राथमिक शाला खिरकिया पुराना भवन में मतदान केन्द्र बनाया गया है।

वार्ड क्र. 9 में स्थित मंडी क्षेत्र, लाल कुआँ, कन्या शाला क्षेत्र, सोसायटी क्षेत्र व गुर्जर कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पूर्वी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। मेन रोड, हाई स्कूल क्षेत्र तथा बसंत सोलंकी के मकान से दुर्गा आटो पार्टस तक के क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कक्ष क्र. 3 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 10 में स्थित मेन रोड व अन्नपूर्णा मंदिर क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पश्चिमी भाग खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। फोकटपुरा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कक्ष क्र. 4 खिरकिया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 11 में स्थित हरसूद रोड चौराहा व सोसायटी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय एसबीएस शाला छीपाबड़ में मतदान केन्द्र बनाया गया है। पेट्रोल पंप क्षेत्र, शीतल रेस्टोरेंट एवं मस्जिद क्षेत्र व चारूवा रोड क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय उत्तर बु.प्रा.शा. छीपाबड़ में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 12 में स्थित पुलिस थाना क्षेत्र व खेड़ी एवं कांजी हाउस क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय प्राथमिक कन्या शाला कक्ष क्र. 3 छीपाबड़ में मतदान केन्द्र बनाया गया है। पानी की टंकी क्षेत्र व देशवाली मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शसकीय माध्यमिक कन्या शाला छीपाबड़ में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 13 में स्थित महाराणा प्रताप क्षेत्र, राजपूत क्षेत्र, कोठारी गली वाला क्षेत्र व राजपूत धर्मशाला वाला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय एसबीएस शाला कक्ष क्र. 2 छीपाबड़ में मतदान केन्द्र बनाया गया है। किसान मोहल्ला व बाल मंदिर एवं गांधी चौक क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय माध्यमिक कन्या शाला छीपाबड़ के डायनिंग हॉल में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 14 में स्थित ईंट भट्टा क्षेत्र व पुरानी टंकी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या प्राथमिक शाला छीपाबड़ के अतिरिक्त कक्ष में मतदान केन्द्र बनाया गया है। हरदा रोड़ से चारूवा रोड क्षेत्र, बजरंग बली एवं बावड़ी क्षेत्र व माली मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय प्राथमिक शाला खेड़ी छीपाबड़ उत्तरी भाग में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 15 में स्थित खेड़ा क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय सुभाष प्राथमिक शाला खेड़ा छीपाबड़ तथा शासकीय प्राथमिक शाला खेड़ा छीपाबड़ पूर्वी भाग में मतदान केन्द्र बनाया गया है।

संपादकीय

असमानता की चिंता

कोरोना महामारी ने मानव जाति को जो नुकसान पहुंचाया है, उसका अध्ययन आने वाले वर्षों में लगातार होगा और होना भी चाहिए। अभी पूरे आंकड़ों का आना बाकी है, लेकिन नेचर पत्रिका ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आधिकारिक सर्वेक्षणों पर आधारित जिस रिपोर्ट को प्रकाशित किया है, वह बहुत उल्लेखनीय है। इस रिपोर्ट से दो बातें पुष्ट होती हैं, अव्वल तो इस महामारी ने पूरी दुनिया को गहरे से प्रभावित किया है और दूसरी बात, इस महामारी का असर दुनिया में हर जगह समान नहीं है। दुनिया में पहले से ही बहुत असमानता थी और इस महामारी ने उसे बढ़ा दिया है। नेचर की रिपोर्ट छह ग्राफिक्स के जरिए पूरा विवरण देती है, जिससे आय, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अन्य कई मामलों में असमानता के पहलू सामने आते हैं। पिछले दो साल दुनिया के सबसे गरीब लोगों के लिए खास तौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं, और यह अभी शुरुआत है। इस साल के अंत तक महामारी से पहले की तुलना में कम से कम 7.50 करोड़ लोग गरीबी में धकेल दिए जाएंगे। ये ऐसे गरीब होंगे, जो प्रतिदिन 130 रुपये से भी कम में गुजारा कर रहे होंगे। यह रिपोर्ट भी बताती है कि बढ़ती मुद्रास्फीति ने महामारी के प्रभाव को कैसे बढ़ाया है, हालांकि, महामारी ने भी महंगाई को बल दिया है।

उप-सहारा अफ्रीका में स्थिति ज्यादा खराब है, जबकि दक्षिण एशिया जैसे कुछ क्षेत्रों में गरीबी का विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं हैं। वास्तव में चिंता होती है कि भारत सहित दक्षिण एशिया में कोरोना संबंधी आंकड़ों को बहुत विश्वसनीय नहीं माना जा रहा है। फिर भी अनुमान है कि एशिया जल्दी उबर जाएगा, जबकि उबरने में सबसे ज्यादा समय मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में लगेगा। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में मृत्यु दर विशेष रूप से वहां के आदिवासियों में ज्यादा रही है, यह दर श्वेत लोगों की तुलना में लगभग 108 प्रतिशत अधिक है और एशियाई मूल के लोगों की तुलना में लगभग 180 प्रतिशत अधिक। मतलब अमेरिका में भी एशियाई मूल के लोगों ने महामारी से सबसे बेहतर मुकाबला किया है। नेचर की रिपोर्ट यह भी बताती है कि महामारी का अन्य सार्वजनिक-स्वास्थ्य समस्याओं पर भी असमान असर पड़ा है, महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि हुई है। 13 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र की इकाई द्वारा लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण पर किए गए सर्वेक्षण में शामिल 45 प्रतिशत महिलाओं का कहना है कि उन्होंने या उनकी जानने वाली महिलाओं ने महामारी के दौरान हिंसा का अनुभव किया है। इस मामले में भारत का जिक्र नहीं है, लेकिन बांग्लादेश में जो सर्वेक्षण हुआ है, वह बताता है कि वहां सर्वाधिक महिलाओं ने हिंसा का अनुभव किया है।

ऐसी रिपोर्ट स्वागतयोग्य और अनुकरणीय है। कोरोना महामारी के सामने एशिया या एशियाई लोगों की मजबूती काबिलेगौर पाई गई है, तो यह भी अपने आप में गहरे अध्ययन का विषय है। क्या एशिया में सरकारों के पास स्वास्थ्य, मृत्यु और संक्रमण के समग्र आंकड़े मौजूद हैं? क्या इन देशों के आंकड़ों पर विदेशी संस्थाएं विश्वास कर रही हैं? बहरहाल, असमानता को दूर करने के लिए खास तौर पर मुफ्त अनाज योजनाएं मददगार साबित हुई हैं। बेशक, भारत सहित अन्य देशों में भी गरीबों के स्वास्थ्य बीमा, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित कर दिया जाए, तो असमानता मिटाने में बड़ी मदद मिलेगी।

-गजब का कलेजा है दलदल में फंसे होने के बावजूद जंग जीतने का दावा?

कहीं ऐसा न हो, पैर पकड़ने जाएं रूठे कांग्रेसियों के और हाथ में आ जाएं भाजपाईयों के!

एक ओर तो गांवों, कस्बों और शहरों को अपने आगोश में समेटकर आगामी आम चुनावों के लिए पार्टी की नींव रखने और भारतीय जनता पार्टी की इमारत को उखाड़ फैंकने की पटकथा लिख सकने वाले पंचायतों के चुनाव के पहले ही हल्ले में सौ से अधिक वार्ड, मैदान में उतरे बगैर ही शिवराज सिंह चौहान के कमल करों अथवा करकमलों में समर्पित कर दिए तो वहीं दूसरी ओर दावा भी कर रहे हैं और दावे के साथ-साथ नौकरशाहों तथा दलबदल के लिए वक्त का इंतजार कर रहे कांग्रेसियों को कभी धमकियां तो कभी अहंकारी चेतावनियों से डराने की कोशिश में जुटे हुए हैं कि अगली बार फिर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, अगली बार फिर भारतीय जनता पार्टी के लोकहितकारी तमाम मोर्चों पर विफल रहने की वजह से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

- विष्णु कौशिक, भोपाल।

वाकई में अजब-गजब है अपने मध्यप्रदेश की राजनीति और उससे भी गजब हैं कांग्रेस के नेता और अध्यक्ष माननीय कमलनाथ। आत्ममुग्धता के अहंकार के नशे में डूबे रहने वाले कमलनाथ कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ के माथे से अहंकार का नशा इस कधर गहरा रहा है कि कार्यकर्ताओं के संघर्ष और जनता के भरोसे से मुश्किल हाथ लगी सत्ता गंवाने के बावजूद नशा है कि उतरता ही नहीं। एक ओर तो गांवों, कस्बों और शहरों को अपने आगोश में समेटकर आगामी आम चुनावों के लिए पार्टी की नींव रखने और भारतीय जनता पार्टी की इमारत को उखाड़ फैंकने की पटकथा लिख सकने वाले पंचायतों के चुनाव के पहले ही हल्ले में सौ से अधिक वार्ड, मैदान में उतरे बगैर ही शिवराज सिंह चौहान के कमल करों अथवा करकमलों में समर्पित कर दिए तो वहीं दूसरी ओर दावा भी कर रहे हैं और दावे के साथ-साथ नौकरशाहों तथा दलबदल के लिए वक्त का इंतजार कर रहे कांग्रेसियों को कभी धमकियां तो कभी अहंकारी चेतावनियों से डराने की कोशिश में जुटे हुए हैं कि अगली बार फिर प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, अगली बार फिर भारतीय जनता पार्टी के लोकहितकारी तमाम मोर्चों पर विफल रहने की वजह से कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। लिहाजा वक्त को पहचाने और भाजपाईयों की चाकरी में शिजदे करने की बजाय संविधान के तकाजे के अनुसार निष्पक्ष रहें और निष्पक्ष होते दिखें भी, अन्यथा यह वक्त न तो कभी किसी के साथ स्थाई रूप से रहता है और न किसी को माफ भी करता और अगर वक्त के तकाजे की आवाज सुनकर भी नहीं सुनी गई तो भाजपा नेताओं की चाकरी कर रहे नौकरशाहों और दलबदल के लिए खरीद-फरोख्त की मंडी खुलने का बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों की हालत इतनी दयनीय और दर्शनीय हो जाएगी कि फिर माफी मांगने पर भी घर वापसी के लिए इजाजत नहीं दी जाएगी। मगर कमलनाथ की धमकीनुमा चेतावनियों का जवाब देने में भाजपा के हरदिल अजीज नेता और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोई देरी नहीं की, वह भी कहीं और नहीं उस छिंदवाड़ा में जो कमलनाथ की राजनीति का मॉडल होने का दावा किया जाता है। शिवराज जी ने तत्काल कमलनाथ कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ के सामने आईना पेश कर दिया कि जो नेता अपने घर अर्थात् होनहार तथा बफादार मंत्रियों और विधायकों को ही नहीं संभाल सके, उस नेता के मुंह से ऐसी खोखली धमकियां शोभा नहीं देती और एक बात तो तय है कि वे नौकरशाह हों या कांग्रेसी जो अपने भविष्य का निर्णय अपने विवेक से लेने में स्वतंत्र हैं। धमकियों और चेतावनियों से डर जाएंगे, इस बात के मुगालते में भी नहीं रहना चाहिए। बात छोटी सी है मगर लोकतंत्र में बड़ा निर्णायक उलटफेर करने की क्षमता रखती है। इस तथ्य को हमेशा मन मानस की दीवारों पर खील ठोंककर रखना ही दूरदर्शिता है और राजनीतिक बुद्धिमानी भी। अब कमलनाथ कांग्रेस के लिए इससे बड़ा झटका, धक्का या फटका और हो भी क्या सकता है कि जनता से जुड़कर बड़े काम करने वाली छोटी सरकार अर्थात् पंचायतों के चुनाव के सफर की शुरूआत में ही सौ से अधिक वार्ड ऐसे सामने आए जहां कांग्रेस को या तो लायक उम्मीदवार ही नहीं मिले या मार ठोककर मैदान में उतारने की कोशिश की, लेकिन कांग्रेस की हालत देखकर संभावित कांग्रेसी उम्मीदवार या तो भाजपा की गोद में जाकर बैठ गए या फिर अपने कामकाज और पार्टी के प्रति बफादारी की इज्जत का पंचनामा बने इसके पहले ही अक्ल का इस्तेमाल कर घर बैठ गए और उन्होंने भाजपा में वैकेंसी निकलने का इंतजार करना बेहतर समझा। लेकिन सबसे बड़ी बात तो यह है बल्कि यही है कि पंचायती चुनाव के पहले हल्ले में ही जिसमें नगर परिषद और नगर पालिकाएं भी आती हैं के सौ से अधिक वार्डों में कांग्रेसियों ने कमलनाथ पर भरोसा नहीं किया तो नहीं किया और करते भी क्यों, व्यक्तिगत चर्चाओं में यही जुमला कहते पाए जाते हैं कि आखिर 15 महीने के सत्ताकाल और सत्ताकाल से लेकर अब तक के सफर में कमलनाथ कांग्रेस से सिवाय भाषणों, चेतावनियों, उपेक्षाओं और नसीहतों के अलावा मिला भी क्या। क्या उन्होंने कभी आम कार्यकर्ताओं को बुलाकर उनके सिर पर अथवा पीठ पर अपने विश्वास और भरोसे का वैसा ही हाथ फेरा और वैसे ही कार्यकर्ताओं की शिकायत रूपी भड़ास सिर झुकाए सुनते रहे जैसे कभी कांग्रेस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के रूप में दिग्विजय सिंह सुना करते थे और जिनके निवास से कार्यकर्ताओं के काम भले ही न हुए हों, लेकिन आश्वासन की मुस्कुराहट उनके चेहरे पर साफ नजर आया करती थी। वही दिग्विजय सिंह आज कमलनाथ के पद की प्रतिष्ठा बचाने के लिए तमाम किस्म की शिकायतों और उपेक्षाओं का जहर पीकर नीलकंठ बने हुए हैं। लेकिन गजब का कलेजा है पीसीसी चीफ का कि इस सब के बावजूद न दिग्विजय सिंह को थैंक्यू कहा और न कार्यकर्ताओं की फरियादों की सुनवाई ही की। नतीजे में कार्यकर्ता अपने अध्यक्ष से किसी भी प्रकार की उम्मीदों से निराश होने और हौसले खो देने की वजह से पंचायत चुनाव के पहले चरण में ही शताधिक वार्ड जो बाद में सैकड़ों हो गए, शिवराज सिंह चौहान के करकमलों में सौंपना पड़े। अब जाकर आंखें खुली या खुलने का दिखावा किया तो दूसरी और तीसरी कतार के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं से टेली कान्फ्रेंसिंग के जरिए ऐसी बात की, जैसे अपने मातहत कर्मचारियों को आदेश दे रहे हों। सवाल स्वभाविक है कि जिन कांग्रेसियों ने भाषणबाजी सुनने और सुनाने में ही अपनी जिंदगी का बेहतरीन सफर किया हो, क्या वे भाषण सुनकर मैदान में उतर सकेंगे। नेताओं को लाम पर और कार्यकर्ताओं को काम पर लगाए रखने के लिए तो शिवराज जैसा बनना होगा, जो कार्यकर्ताओं को कर्मचारी न समझकर भाई-बंध मानते हैं और वक्त-वक्त पर जिम्मेदारियां सौंपकर उनका सम्मान भी करते रहे हैं। लिहाजा कांग्रेस अध्यक्ष के समक्ष इस वक्त कांग्रेसियों को कांग्रेस की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ही इलाज है और वह यह कि छोटे तालाब के पानी से अहंकार को तिलांजलि देने के साथ श्रद्धांजलि भी देना होगा और जिस दिन समकालीन उपेक्षित या बिना किसी काम काज के शोभा की सुपारी के रूप में नई पीढ़ी का रास्ता रोककर जिम्मेदार पदों पर कब्जा करने वाले मीडिया आश्रित नेताओं और कार्यकर्ताओं को कमलनाथ के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव की आहट का अहसास होगा, उसी दिन से कांग्रेस में एक ऐसी बयार चलने की उम्मीद की जा सकती है, जो संभव है, वेंटीलेटर पर आराम फरमा रहे कांग्रेस के कांग्रेसियों के लिए प्राणवायु अर्थात् आक्सीजन का काम करें। लेकिन सवाल यह भी है कि कमलनाथ भी करें तो क्या करें। दिल्ली में मंत्रालय के सर्वेसर्वा हुआ करते थे और अफसरों से लेकर कर्मचारियों तक को हुकुम देने की आदत पड़ गई थी, न कि सुनने की। उसी दिल्ली की तुफैल में भूल गए कि राजनीति में कोई कर्मचारी नहीं होता, सभी कार्यकर्ता होते हैं और ऐसे ही कार्यकर्ताओं में से कभी कोई कमलनाथ तो कभी कोई दिग्विजय सिंह के रूप में निकल आता है। अब यह बात अलग है कि कांग्रेस में भारतीय जनता पार्टी की तर्ज पर पीढ़ी परिवर्तन की न तो कोई परंपरा है और न हारे हराए, थके-थकाए और जनता द्वारा ठुकराए जो लोग दस जनपथ की गणेश परिक्रमा करते हैं वे पीढ़ी परिवर्तन न होने देंगे, इतना तो तय है। वैसे भी अगर पीढ़ी परिवर्तन के लिए सोनिया गांधी या राहुल गांधी कोई कदम उठा भी लें तो सारे देश के कांग्रेसियों में पदलिप्सा रखने वाले नेता तो ढेर सारे मिल जाएंगे, लेकिन जिम्मेदारी उठाने वाला एक भी नहीं मिलेगा। अगर जिम्मेदारी उठाने वाले और कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने वाले अगर कोई नेता हों तो दस जनपथ को जरूर सुझा दें। ताकि वक्त रहते उन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। खैर, बात पंचायत चुनावों के पहले चरण में शताधिक वार्डों में कांग्रेस को उम्मीदवार ही नहीं मिले और जैसे-तैसे मिल भी गए तो मैदान में उतरने के पहले ही रणछोड़दास साबित हुए। अब इससे शेष मैदानी कार्यकर्ताओं और मतदाता में क्या तथा कैसा संदेश गया होगा और आने वाले आम चुनावों की तैयारियों में कहां, कितने स्पीड ब्रेकर बनेंगे, वक्त ही बताएगा। आने वाले चुनौतीपूर्ण चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व के प्रति आम जनता में क्या धारणा बनेगी, कार्यकर्ता कितने पस्त हिम्मत हो जाएंगे क्या कभी कांग्रेस के अध्यक्ष ने सोचा या अपने अनुभवी साथियों को साथ बिठाकर हालात की समीक्षा करने की कोशिश की, जवाब नकारात्मक ही मिलेगा। फिर भी मुगालता देने में पीछे नहीं है कि अगला चुनाव फिर कांग्रेस जीतने जा रही है, लिहाजा भाजपाईयों की सेवा में तन-मन-धन से जुटी गैर भाजपाई कीर्तन मंडली के लिए अभी भी वक्त है कि अपने भविष्य के बारे में सोच लें, अन्यथा ऐसा न हो कि फिर गलती स्वीकार करने का वक्त ही न मिले। वैसे इस कड़वे सच से तो इंकार किया ही नहीं जा सकता कि आज की स्थिति में कांग्रेस में ऐसा कोई नेता ही नहीं है जिसमें नायकीय गुण हों और जो जनता तथा कार्यकर्ताओं के बीच वैसी पहचान रखता हो, जैसी दिग्विजय सिंह रखते हैं। लेकिन प्रेक्षकों का मानना है कि कमलनाथ की मदद और बचाव करने वाले इन्हीं दिग्विजय सिंह को बड़ी चतुराई के साथ ग्वालियर, चंबल के बीहड़ों की राजनीति में ज्योतिरादित्य सिंधिया से लोहा लेने के लिए भेज दिया। अब दिग्विजय सिंह वहां क्या गुल खिला सकते हैं यह वक्त के अलावा और कोई जान भी नहीं सकता। खैर, राजनीतिक प्रेक्षकों को चकित कर देने वाली बात कारपोरेट राजनीति के सिद्धहस्त कमलनाथ कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय कमलनाथ जी के व्यवहार में बदलाव लाने वाली होगी अथवा नहीं, यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि जो नेताजी कल तक मंत्रियों, विधायकों और कार्यकर्ताओं से सीधे मुंह बात तक करना पसंद नहीं करते थे, कार्यकर्ताओं से ऐसा व्यवहार करते थे जैसे वे दूसरे ग्रह के प्राणी हो या अछूत हों और जो पार्टी में घर चलो अभियान चलाने की घोषणा तो करते हैं मगर खुद घर-घर जाने में अपनी हेटी समझते हैं। ऐसे कमलनाथ कहें कि असंतुष्टों, नाराजों और बेरूखी धारण कर घर बैठ गए साथियों को पैर पकड़कर भी मनाना पड़े तो उसमें भी कोई बुराई नहीं है। कायदे से तो कांग्रेसियों में इस वक्त पैर पकड़ अभियान फौरन से पेशकर शुरू कर देने की जरूरत है और इस अभियान को गरिमा तथा कामयाबी उसी वक्त मिल सकेगी, जब स्वयं कमलनाथ इस अभियान का श्रीगणेश करें। वक्त कम है और काम अधिक, पल्ले में खोखले आरोपों के फटे ढोल पीटकर बेसुरी कर्कश आवाज निकालकर लोगों की रातों की नींद खराब करने से तो बेहतर होगा कि अहंकार का परित्याग कर, कांग्रेसियों की खैर-खबर लेकर सबसे पहले उन्हें अपनी उस भड़ास निकालने का मौका दे जो सालों से घुटने के साथ विस्फोट के लिए माकूल इंतजार कर रही है। साफ है अगर कांग्रेसियों ने कमलनाथ पर भरोसा कर लिया और कमलनाथ ने यहां-वहां शरणार्थी कैम्प की तलाश में बिटमा रहे कांग्रेसियों का खोया भरोसा हासिल कर लिया तो कांग्रेसियों को कम से कम शिवराज के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी का मुकाबला करने के योग्य तो बनाया ही जा सकता है अन्यथा पार्टी अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं के बीच ऐसी ही दूरियां बनी रही और सबकुछ ऐसा ही चलता रहा तो फिर प्रदेश में कांग्रेसियों और कांग्रेस के नेताओं की हालात वैसी ही हो जाएगी, जैसे डाल पकड़ने से चूकने वाले बंदर की होती है।

राजनीतिक रंगमंच

और अंत में ....

नामुमकिन को मुमकिन बनाने की तुफैल में कहीं ऐसा न हो कि कांग्रेस नेताओं की फौज अपने इकलौते नेता की दिव्य सलाह मानकर पैर पकड़कर मनाने जाएं रूठे कांग्रेसियों को, मगर हाथ में आ जाएं भाजपाईयों के।

"उच्चतम न्यायालय" कहीं स्वयं "भ्रम" का शिकार तो ("एक परसेप्शन") नहीं हो गया है?

उच्चतम न्यायालय के समक्ष दोनों पक्षों द्वारा बहस की जा रही थी, तब माननीय न्यायाधीश ने एक तरफ जहां यह कहा कि विधानसभा उपाध्यक्ष जिनको अविश्वास का नोटिस मिला वे खुद स्वयं के मामले में जज बन गए और नोटिस को खारिज कर दिया। ऐसी स्थिति में डिप्टी स्पीकर ऐसे बागी विधायकों पर अयोग्यता की कार्रवाई कर सकते हैं अथवा नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न उत्पन्न होता है। बावजूद उक्त टिप्पणी के बावजूद उच्चतम न्यायालय ने उपाध्यक्ष को अपने कर्तव्य निर्वाह का पालन करने से कार्य करने के लिए किसी प्रकार की रोक नहीं लगाई है। यथास्थिति बरकरार रखने की मंशा दिखाने के बावजूद, ''अंतरिम उपाय'' के रूप में सिर्फ विधायकों की अयोग्यता के नोटिस की अवधि 14 दिन बढ़ाई है। अर्थात बागी विधायक 12 तारीख तक अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते हैं।

- राजीव खंडेलवाल

(लेखक वरिष्ठ कर सलाहकार एवं पूर्व सुधार न्यास अध्यक्ष है)

राजनीति में थोड़ी बहुत भी दिलचस्पी रखने वाले नागरिकों से लेकर राजनैतिक पंडितों, भविष्यवक्ताओं, विश्लेषक, विचारकों और मीडिया में महाराष्ट्र में चल रही राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर उच्चतम न्यायालय क्या अंतरिम आदेश पारित करेगा?, निर्देश देगा? इस पर परस्पर न काफी विरोधाभासी विचारों, मतों, आकलनों की चर्चा रही, बल्कि शंका व अनिर्णय का बादल भी अंतरिम आदेश के बावजूद राजनीतिक क्षेत्र में छाये रहें। ऐसी स्थिति में भ्रम को दूर, विवाद को निर्णित करने के लिए लोग न्यायालय की ओर दृष्टि जमाये रखते हैं व सहायता हेतु न्यायालय भी जाते हैं। परंतु ऐसा लगता है कि उच्चतम न्यायालय भी स्वयं ''भ्रम (कन्फ्यूजन) के बादल'' के घेरे में आ गया प्रतीत होता है, ऐसी ''कुछ-कुछ ध्वनि'' कल पारित आदेश से निकलती लगती सी है। क्योंकि जो अनिश्चितता और भ्रम का वातावरण समस्त पक्षों, दर्शकों व पाठकों के बीच बना हुआ है, उस स्थिति में सिर्फ तुरंत सहायता एक पक्ष (विद्रोही गुट) को अवश्य इस बात की मिली है कि शाम को समाप्त होने वाली जीवनदायिनी रेखा की लाल बत्ती की समय सीमा बढ़कर 12 जुलाई तक की हो गई है। लेकिन उच्चतम न्यायालय स्वयं भ्रम के संकट में कैसे आ गया है? आगे इसे देखते हैं।

महाराष्ट्र में जो कुछ राजनीतिक घटनाक्रम घटा है, दल बदल हुआ है, वह देश में कोई पहली बार नहीं हुआ है और न ही सुप्रीम कोर्ट में इस तरह का मामला कोई पहली बार आया है। दल बदल होने पर ''संख्या के दावे की सत्यता'' के संबंध में उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक के प्रसिद्ध एसआर बोम्मई मामले में अंतिम रूप से प्रतिपादित कर दिया है कि सरकार के बहुमत का फैसला विधानसभा के फ्लोर पर ही तय होगा, राज्यपाल निवास या अन्य कोई जगह नहीं। जिसका अभी तक पालन किया जा रहा है। लेकिन महाराष्ट्र के राजनैतिक घटनाक्रम के लगभग सात दिन व्यतीत हो जाने के बावजूद गुवाहाटी से मुंबई विद्रोही गुट नहीं पंहुचा है। अभी तक उक्त स्थिति (फ्लोर टेस्ट) पर पहुंची ही नहीं है, यह एक राजनैतिक विश्लेषक के लिए आश्चर्य की स्थिति है। महाराष्ट्र में दो तिहाई बहुमत से ज्यादा अधिक विधायकों के दल बदलने के कारण जाहिर तौर पर सरकार के अल्पमत में आ जाने के बावजूद भी न तो विद्रोही गुट ने सरकार से इस्तीफे की मांग की है और न ही अविश्वास का प्रस्ताव स्पीकर या राज्यपाल के पास दिया है। इससे भी ज्यादा आश्चर्य की बात यह है कि प्रमुख विपक्षी दल भाजपा जो परदे के पीछे रहकर परसेप्शन का निर्णय कर रही है और जो इस दलबदल के कारण भविष्य में सत्तारूढ़ होने जा रहा है, ने भी अविश्वास प्रस्ताव का कोई नोटिस ही अभी तक नहीं दिया है।

उच्चतम न्यायालय के समक्ष दोनों पक्षों द्वारा बहस की जा रही थी, तब माननीय न्यायाधीश ने एक तरफ जहां यह कहा कि विधानसभा उपाध्यक्ष जिनको अविश्वास का नोटिस मिला वे खुद स्वयं के मामले में जज बन गए और नोटिस को खारिज कर दिया। ऐसी स्थिति में डिप्टी स्पीकर ऐसे बागी विधायकों पर अयोग्यता की कार्रवाई कर सकते हैं अथवा नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न उत्पन्न होता है। बावजूद उक्त टिप्पणी के बावजूद उच्चतम न्यायालय ने उपाध्यक्ष को अपने कर्तव्य निर्वाह का पालन करने से कार्य करने के लिए किसी प्रकार की रोक नहीं लगाई है। यथास्थिति बरकरार रखने की मंशा दिखाने के बावजूद, ''अंतरिम उपाय'' के रूप में सिर्फ विधायकों की अयोग्यता के नोटिस की अवधि 14 दिन बढ़ाई है। अर्थात बागी विधायक 12 तारीख तक अपना जवाब प्रस्तुत कर सकते हैं।

उच्चतम न्यायालय का कन्फ्यूजन एक और जगह दिखता है, जब न्यायालय यह कहता है कि, अनुच्छेद 179 के तहत उपाध्यक्ष को हटाने का जब नोटिस हो तब, क्या डिप्टी स्पीकर के पास संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत ''अयोग्यता की याचिका'' पर सुनवाई का अधिकार है? यह पर्यवेक्षण (ऑब्जरवेशन) तथ्यात्मक रूप से कुछ गलत सा लगता है। क्योंकि डिप्टी स्पीकर को अविश्वास की जो सूचना मिली थी, वह उन्होंने अस्वीकार (रिजेक्ट) कर दी थी। इस प्रकार तथ्यात्मक रूप से अविश्वास का कोई नोटिस उनके पास लंबित नहीं है। हां यदि डिप्टी स्पीकर का अविश्वास का नोटिस अस्वीकार करने का आदेश गलत है, तो उसको न्यायालय में चुनौती दी जानी चाहिए थी, जैसा कि शिवसेना के वकील अभिषेक सिंघवी का कथन था। और उच्चतम न्यायालय को निरस्त करने के आदेश की वैधानिकता पर टिप्पणी करनी चाहिए थी। परन्तु चूंकि बागी गुट ने उक्त पारित अवैधानिक आदेश को चुनौती ही नहीं दी, बल्कि उपाध्यक्ष के नोटिस व शक्ति (अधिकार) को चुनौती दी है। इसीलिए उच्चतम न्यायालय ने अविश्वास की सूचना को अस्वीकार करने आदेश की वैधता पर फिलहाल कोई भी विचार ही नहीं किया है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि उपाध्यक्ष को इस अविश्वास का सूचना पत्र मिला अथवा नहीं, और क्या उन्होंने उक्त सूचना पत्र मिलने की स्थिति में उसे अवैधानिक मानकर निरस्त कर दिया इस तथ्य पर उच्चतम न्यायालय स्वयं भ्रम की स्थिति है, इसीलिए न्यायालय में उपाध्यक्ष को शपथ पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है।

2020 के राजस्थान हाईकोर्ट के निर्णय को छोड़कर ''किहोतो'' मामले से लेकर अभी तक ऐसे मामलों में जहां स्पीकर विधायकों को अयोग्यता के संबंध में कार्रवाई प्रारंभ कर देते हैं, तब न्यायालय स्पीकर के कार्य क्षेत्र में दखल नहीं देती रही है, जैसा कि अनुच्छेद 212 में रोक (बार) भी है। आदेश पारित होने के बाद ही न्यायालय में उसे चुनौती दी जाती है। इस बात को न्यायालय के ध्यान में लाने पर माननीय न्यायाधीश का यह कथन रहा कि अध्यक्ष के अधिकार को उक्त मामले में चुनौती नहीं दी गई थी, जो वर्तमान में दी गई है।

तथाति उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा है डिप्टी स्पीकर ने रिकॉर्ड पर कहा है कि कभी भी उन्हें पद से हटाने का नोटिस नहीं दिया गया। जबकि उनके वकील राजीव धवन का यह कहना रहा कि जो उपाध्यक्ष के प्रति अविश्वास का नोटिस दिया गया था, वह विधायकों के अधिकृत ईमेल के जरिये नहीं आये थे। अतः वैधानिक न होने के कारण संज्ञान योग्य नहीं है। राज्यपाल का अभी-अभी का यह कदम भी बहुत ही आश्चर्यजनक है कि सरकार के तथाकथित अल्पमत में आने के बाद आने के बाद 22, 23 एवं 24 जून 3 दिनों में राज्य सरकार ने जो प्रशासकीय आदेश जारी किए हैं, उनकी रिपोर्ट मांगी है। वास्तविकता व परसेप्शन में महाविकास आघाडी की सरकार के अल्पमत में आने के बावजूद तकनीकि व संवैधानिक रूप से वह अभी भी बहुतमत की सरकार होने के कारण राज्यपाल का उक्त हस्तक्षेप अनधिकृत ज्यादा वैधानिक कम व राजनैतिक कदम है।

इस पूरे प्रकरण में एक बात में बड़ी समानता व सामंजस्य दिखता है कि प्रत्येक पक्ष परदे के पीछे या आवश्यकतानुसार सामने आकर अपना-अपना 'परसेप्शन' बनाना चाहते हैं। इससे इस बात को पुनः बड़ा बल मिलता है कि राजनीति में एक एक्शन (कार्यरूप) से ज्यादा परसेप्शन का महत्व है। भाजपा निश्चित रूप से सरकार बनाती हुई दिख रही है, परन्तु ऐसा होते हुए वह बिल्कुल भी दिखना नहीं चाहती है। असम के मुख्यमंत्री का प्रथम दिन का बयान को इसी संदर्भ में देखिये। इसी प्रकार शिवसेना ''कहीं खुशी कई गम'' के भाव से ''कहीं गरम तो कहीं नरम'' आवश्यकतानुसार दिखने का परसेप्शन बना रही है, जबकि वास्तव में यदि परिस्थिति उसे अनुमति दे देती तो वह अभी तक कड़क कार्रवाई कर देती। अभी भी उद्धव सेना प्रमुख की हैसियत से उन विद्रोही को वापस आने की बार-बार गुहार कर रहे हैं जो पटल (काउंटर) में (विद्रोही गुट) अभी भी सेना प्रमुख उद्धव को अपना नेता मानने की बात कह रहे हैं। विद्रोही गुट भाजपा के साथ 'सत्ता' की भागीदारी सुनिश्चित कर चुकी है। परन्तु वह अभी भी उस शिवसेना का भाग देखना चाहती है जिसके नेता उद्धव ठाकरे हैं। उद्धव ठाकरे पर नवाब मलिक के दाउद से संबंध है मंत्री बनाकर आरोप लगाकर वे बागी मंत्री अभी भी मंत्रिमंडल में बने रहकर संख्या की शोभा बनाये हुए हैं। उद्धव ने भी विभाग छीन कर परन्तु मंत्रिमंडल से मुक्त न कर सत्ता का आकर्षण बनाये हुये है। इस तरह का परसेप्शन के ''खेला'' का महागठजोड़ कभी आपने इसके पूर्व देखा है? जो होता है वह दिखता नहीं और जो दिखता है वह होता नहीं, यह आज की सफल राजनीति का मूल मंत्र है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।**

न्यूज ट्रेक

पत्नी के हत्यारे को आजीवन कारावास

अनोखा तीर, खंडवा। पत्नी की कुल्हाड़ी से हत्या कारित करने वाले पति को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया गया है। जिला खण्डवा को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश तहसील हरसूद जिला खण्डवा की न्यायालय द्वारा कुल्हाडी लेकर मृतिका की गर्दन पर वार कर हत्या करने वाले अभियुक्त पति सत्यनारायण उर्फ नाना पिता आत्माराम आयु 38 वर्ष, निवासी ग्राम बोरीसराय, हरसूद को भादस की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास एवं 1000 रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया है। अभियोजन की ओर से प्रकरण का संचालन सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी अनिल चौहान ने

किया। अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी मोहम्मद जाहिद खान एडीपीओ ने बताया कि 27 मार्च 2019 को लगभग शाम के 6 बजे सत्यनारायण मृतिका के पिता के घर आ गया था चूंकि मृतिका की दूसरे दिन उसी बलात्कार के मामले में पेशी थी फरियादी 27 मार्च 2019 को शाम 6 बजे के लगभग अपने घर के अंदर था। उसका घर मृतिका के घर के पास ही था। उसी समय फरियादी को उसके घर के पास उसकी मां के चिल्लाने की आवाज आयी तो उसने दौड़कर आया तो देखा कि सत्यनारायण अपने हाथ में एक कुल्हाड़ी लेकर मृतिका की गर्दन पर वार कर रहा था। जो फरियादी के घर के बाहर मृतिका गिरी पड़ी थी। घर के बाहर आकर सत्यनारायण को पकड़ लिया और उसे बांध दिया उसकी कुल्हाड़ी वहीं पड़ी थी। उसके बाद सत्यनारायण पिता आत्माराम को देखने के लिए अन्य लोगों को छोड़ा और अपनी जीप से मृतिका को लेकर सरकारी अस्पताल हरसूद लेकर आया सरकारी अस्पताल में डाक्टर ने बताया कि उसकी मृत्यु हो चूंकि है। मृतिका को उसके पति सत्यनारायण ने कोर्ट में चल रहे मामले को लेकर झगडा होने पर कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी थी। पुलिस द्वारा अनुसंधान पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि उक्त मामले को जघन्य एवं सनसनीखेज से चिन्हांकित किया गया।

पीकू वार्ड को प्रथम तल व शिशु वार्ड को द्वितीय तल पर किया शिफ्ट

अनोखा तीर, खंडवा। जिला चिकित्सालय खंडवा के पीकू वार्ड को ब्लॉक बी के प्रथम तल पर शिफ्ट करने हेतु एवं पुराने शिशु वार्ड को ब्लॉक के द्वितीय तल पर शिफ्ट करने हेतु मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभाग की एचओडी डॉ प्रमिला वर्मा द्वारा बताया गया कि अभी वार्ड में मरीजों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अन्य सभी व्यवस्था जिसमें

दवाइयां, उपकरण एवं हर पलंग पर ऑक्सीजन के पॉइंट लगे हुए और पूरा फ्लोर ऑक्सीजन कृत हैं। उन्होंने बताया कि आवश्यकता के अनुसार वेंटिलेटर एवं मॉनिटर भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। अब हम मरीजों को बेहतर से बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। इस अवसर पर पीकू वार्ड की इंचार्ज जागृति वर्मा एवं शिशु वार्ड की इंचार्ज शुषा नायक सहित स्टॉफ उपस्थित था। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अनंत पवार, सिविल सर्जन एवं मेडिकल सुपरिटेंडेंट, शिशु विभाग एचओडी डॉ. प्रमिला वर्मा, डॉ. भूषण बांडे शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ. गरिमा अग्रवाल, डॉ. शिवराज सिंह चौहान एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में फीता खोलकर शुभारंभ किया गया।

न्यायालय परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

अनोखा तीर, खंडवा। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार को जिला न्यायालय परिसर खंडवा में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शरद हरणे एवं सिविल सर्जन डॉ. ओपी जुगतावत के मार्गदर्शन में किया गया। इसमें एडिशनल डिस्ट्रिक्ट जज संजीव गोयनका द्वारा रक्तदान किया गया। इसके अलावा अन्य अधिवक्ताओं एवं कोर्ट के अन्य कर्मचारियों द्वारा

भी स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय खंडवा के डॉ. अतुल माने पैथोलॉजिस्ट एवं उनकी टीम द्वारा अपनी सेवाएं दी गई, जिसमें 40 यूनिट रक्तदान किया गया। इस दौरान डॉ. अतुल माने पैथोलॉजिस्ट ने कहा कि सभी को रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। हर व्यक्ति 3 माह में एक बार रक्तदान कर सकता है। हमें लोगों को इसके लिए जागरूक करना होगा, हम रक्तदान करके किसी को जीवनदान दे सकते हैं, उनके द्वारा युवा पीढ़ी को इस पुनीत कार्य के लिए आगे आने की अपील की गई। इस मौके पर ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय की टीम जिसमें लैब टेक्नीशियन मुकेश कुलकर्णी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बिना चारित्र के दर्शन और ज्ञान भी अधूरा है : विस्मिता श्री माताजी

अनोखा तीर, खंडवा। जैन दर्शन में चरित्र की विशुद्धि को सर्वोपरि रखा गया है। बिना चारित्र के दर्शन व ज्ञान भी अधूरा है। किसी सिद्धांत को जब तक हम स्वयं नहीं अपनायेंगे या व्यवहार में प्रयोग नहीं करेंगे तब तक हमारा मोक्ष मार्ग अपूर्ण माना जाएगा। संसार में बहुत कम जीव ही होते है जो दर्शन, ज्ञान के साथ चारित्र पालन में भी सफलता प्राप्त करते हैं। उक्त बात दिगम्बर जैन साध्वी क्षुल्लिका विस्मिताश्री माताजी ने मोक्ष मार्ग की सफलता व उसका रहस्य विषय पर प्रकाश डालते हुए कही। उन्होंने कहा कि चारित्र पथ पर चलने के भाव सभी के नहीं होते है। व्रत, संयम, देशव्रत, महाव्रत आदि धारण करने का अवसर पुण्यशाली जीवों को ही मिलता है। सकल दिगम्बर जैन मुनि सेवा ट्रस्ट के अविनाश जैन ने बताया कि पूज्य माताजी नवकार नगर स्थित जैन संत भवन में विराजमान हैं। माताजी के सानिध्य में प्रतिदिन जिनेन्द्र अभिषेक, शांतिधारा, प्रातः 8 बजे से प्रवचन, दोपहर में स्वाध्याय एवम सांयकाल आरती,गुरुभक्ति,बच्चों की क्लास,प्रश्नमंच आदि कार्यक्रम हो रहे हैं। रात्रि में महिला मंडल द्वारा वैयावृत्ती की जाकर गुरु सेवा का लाभ लिया जा रहा है। प्रवचन में चंचल छाबड़ा ने मंगलाचरण एवम महेश जैन ने दीप प्रज्वलन किया। दोनों माताजी की आहारचर्या पंकज भानुकुमार सेठी के निवास पर हुई। समाज के सचिव सुनील जैन ने बताया कि आचार्य विद्यासागर जी के शिष्य मुनि उत्तमसागर जी ससंघ ने खण्डवा से विहार कर ग्राम खैगावड़ा में रात्रि विश्राम किया। मंगलवार को आहारचर्या ग्राम कुमठी में सम्पन्न हुई। खण्डवा समाज से शांति बैनाड़ा, निरुपमा बैनाड़ा, सुभद्रा जीजी, रेखा संतोष छाबड़ा, सतीश काला, प्रवीण सेठी ने आहारचर्या में साहयोग दिया। बुराहनपुर से आए समाजजनों ने मुनि संघ को श्रीफल भेंटकर आशीर्वाद लिया एवं बुरहानपुर पधारने का निवेदन किया। मुनि संघ गुरुवार तक बुरहानपुर पहुचेंगे।

माइनिंग विभाग ने 4 डंपर और 3 ट्रैक्टर पकड़े

फिर सुबह-सुबह विभाग हुआ चौकन्ना

अनोखा तीर, खरगोन।

जिले में इन दिनों अवैध खनिज परिवहन और उत्खनन पर खनिज विभाग की सक्रियता से लगातार कार्यवाहियां जारी हैं। मंगलवार की सुबह-सुबह 5 बजे विभाग ने 4 डंपर और 3 ट्रैक्टरों को अपनी गिरफ्त में लिया है। खनिज अधिकारी सावन चौहान ने कहा कि जहां भी अवैध खनिज की हेराफेरी होगी, वहां किसी भी वक्त कार्यवाही के लिए विभाग तैयार है। इस संबंध में कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम के बड़े साफ निर्देश हैं। उन्ही के निर्देशों पर सभी कार्यवाहियां हुई है और भविष्य में भी होगी। मंगलवार को सुबह 5 बजे अवैध उत्खनन की सूचना मिलने पर टीम के साथ खनिज अधिकारी श्री चौहान गश्त पर निकले। गश्त के दौरान सबसे पहले गोगावां में बिलखेड़ नदी के पास पहुंचने पर वहां 1 ट्रैक्टर रेत का परिवहन करते भागने लगा। तत्काल उसे पकड़ कर थाना गोगावां में खड़ा करवाया। इसके बाद गोगावां से मोहम्मदपुर रोड पर 2 डंपर रेत से भरे थे। रोयल्टी जांच करने पर ओवरलोड पाए गए। वहीं 2 ट्रैक्टर रेत का परिवहन करते हुए जा रहे थे। उन्हें भी पकड़कर गोगावां थाने में पुलिस की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया। फिर सनावद और बड़वाह के बीच एक रेत से भरा डम्फर रोक कर रॉयल्टी चेक करने पर ये भी ओवरलोड पाया गया उसे तत्काल जप्त कर थाना सनावद की अभिरक्षा में रखा। पुनः वापस आने पर भीकनगांव के पास एक बिना रोयल्टी के डम्फर को पकड़कर थाना भीकनगांव की अभिरक्षा में खड़ा करवाया। इस तरह मंगलवार को कुल 4 डंपर एवं 3 ट्रैक्टर जब्त किए गए।

मतगणना के संबंध में दिशा निर्देश जारी

अनोखा तीर, खंडवा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन कर्त्तव्य मतपत्रों की गणना के संबंध में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्वाचन कर्तव्य मतों की संख्या अत्याधिक है, या कि उसकी गणना रिटर्निंग अधिकारी की टेबल पर कराया जाना संभव नहीं है तो निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना की व्यवस्था का एक पृथक कक्ष अथवा कक्षों में की जायेगी। उन्होंने बताया कि उस कक्ष में निर्वाचन कर्तव्य मतों की संख्या के हिसाब से टेबल की संख्या इस प्रकार निर्धारित की जावे कि एक टेबल पर अधिकतम पांच सौ निर्वाचन कर्तव्य मत गणना हेतु हो। निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना हेतु निर्धारित प्रत्येक कक्ष में एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। कलेक्टर ने बताया कि ऐसी प्रत्येक नि.क.म. गणना टेबल हेतु एक गणना पर्यवेक्षक तथा दो गणना सहायकों की नियुक्ति की जाएगी। गणना के लिए लगाए गए अधिकारियों को निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया जाएगा। निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना प्रारंभ होने के आधे घण्टे पश्चात् मतदान मशीन में डाले गये मतों की गणना प्रारंभ की जाएगी। वार्डवार निर्धारित टेबल पर मतदान मशीनों की गणना अंतिम तीन चक्र को छोड़कर निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना के साथ-साथ की जा सकती है, परंतु अंतिम तीन चक्रो की गणना तभी प्रारंभ की जाएगी, जब निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना महापौर एवं सभी पार्षद पद की पूर्ण कर उसकी घोषणा कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जिन नगरीय निकायों के वार्डों में तीन या तीन से कम मतदान केन्द्र हैं, वहां पर निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना की घोषणा उपरान्त ही मतदान मशीनों के मतों की गणना प्रारंभ की जाएगी।

कलेक्टर ने बताया कि निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना का परिणाम प्रारूप -20 में तैयार किया जाएगा। इस हेतु एक से अधिक टेबल लगाई जाने पर प्रारूप-20 में तैयार सभी टेबलों के परिणाम आरओ की टेबल पर भेजे जाएंगे, जहां पर उनका पदवार सारणीकरण किया जाएगा। इसके बाद निर्वाचन कर्तव्य मतों का परिणाम घोषित किया जाएगा। पूर्वानुसार निर्वाचन का अंतिम परिणाम पत्र प्रारूप-22 में तैयार करते समय निर्धारित स्थान पर प्ररूप -20 से प्रत्येक अभ्यर्थी को प्राप्त निर्वाचन कर्तव्य मतों की संख्या की समुचित प्रविष्टि की जाएगी। प्रारूप 20, 21, 22 तैयार करते समय नोटा को प्राप्त मतों का विवरण उसी क्रम में अंकित किया जाएगा जिस क्रम में नोटा मतपत्र पर अंकित है। प्रारूप 23 निर्वाचन की घोषणा सह विवरणी को तैयार करते समय नोटा को प्राप्त मत डाले गए विधिमान्य मतों की कुल संख्या के पश्चात लिखा जाएगा। निर्वाचन कर्तव्य मतों की गणना की देखरेख अभ्यर्थी स्वयं या उनके निर्वाचन अभिकर्ता के द्वारा की जा सकती है।

नगरीय निकाय निर्वाचन संबंधी मतदान दलों के सदस्यों को दिया प्रशिक्षण

अनोखा तीर, खंडवा।

जिले में नगरीय निकाय आम निर्वाचन- 2022 के अंतर्गत नगर पालिका निगम खंडवा के लिए मतदान 6 जुलाई को एवं नगर परिषद मूंदी व पंधाना के लिए मतदान 13 जुलाई को सम्पन्न होंगे। इस दौरान निर्वाचन सुचारू रूप से संपादन के लिए अधिकारी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को मतदान दलों का प्रथम प्रशिक्षण एसएन कॉलेज एवं एमएलबी स्कूल खण्डवा में दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित मतदान दलों के अधिकारी व कर्मचारियों से कहा गया कि वे प्रशिक्षण में बताई जानकारी को अच्छी तरह समझ लें तथा पीठासीन अधिकारी के प्रशिक्षण के लिए दी गई पुस्तिका का अच्छी तरह अध्ययन कर लें, ताकि मतदान के दिन उन्हें समस्या न आये। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान वे निष्पक्ष व निडर रहकर कार्य करें। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि मतदान के दिन मतदान से पूर्व निर्धारित समय पर मॉकपोल अवश्य सम्पन्न कराए तथा यह ध्यान रखे की मॉकपोल के समय विभिन्न अभ्यार्थियों के मतदान एजेंट भी उपस्थित रहे। सभी मतदान एजेंटों के निर्धारित प्रपत्र पर हस्ताक्षर करा लें। प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी पीएस सोलंकी ने मतदान दलों को बताया कि कोई भी प्रश्न उनके मन में हो तो आज अपने मास्टर ट्रेनर्स से उसके बारे में जानकारी प्राप्त कर लें। प्रशिक्षण में ईडीबी के नोडल नीरज पाराशर ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा इलेक्शन ड्यूटी बैलेट की व्यवस्था की गई है, जिससे कि निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारी अपने मत का उपयोग कर सकते है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान कुल 39 अधिकारी कर्मचारियों को निर्वाचन कर्त्तव्य मतपत्र दिए गए है, जिसमें खंडवा के 11, पंधाना के 9 एवं मूंदी के 19 लोगों को निर्वाचन कर्त्तव्य मतपत्र जारी किए है।

आबकारी विभाग ने नाव के सहारे अवैध शराब के अड्डों पर बोला धावा

7 प्रकरण दर्ज कर दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

अनोखा तीर, खरगोन।

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव 2022 के मद्देनजर अवैध मदिरा के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कलेक्टर जिला-खरगोन कुमार पुरुषोत्तम के आदेश तथा सहायक आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार वृत महेश्वर व कसरावद के संयुक्त आबकारी दल द्वारा मंगलवार को सहा. जिला आबकारी अधिकारी बसंत कुमार भीटे के नेतृत्व में सहस्त्रधारा के समीप नर्मदा नदी किनारे दुर्गम स्थानों पर अवैध हाथभट्टी निर्माण की सूचना पर अल सुबह नाव में सवार होकर शराब के अड्डो पर दबिशी कार्यवाही की गई। अवैध मदिरा निर्माण के अड्डो पर धधक रही शराब भट्टियों को नेस्तोनाबूत कर मौके से लगभग 96 लीटर हाथभट्टी शराब जब्त की गई। साथ ही 12 हजार किग्रा महुआ लहान विधिवत नष्ट किया गया। अवैध मदिरा निर्माताओं के विरुद्ध वृत प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक मोहनलाल भायल द्वारा मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1)क,च के तहत 7 प्रकरण दर्ज कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आबकारी दल का एकाएक दुर्गम स्थल पर पहुंचने से अवैध मदिरा निर्माताओं में हड़कंप मच गया है। इस कार्यवाही में जब्त अवैध मदिरा व सामग्री का अनुमानित मूल्य 6 लाख 15 हजार रुपए है। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक देवराज नागीना, मुख्य आरक्षक दिलीप मालवीय तथा आरक्षक शिवनारायण कटारे, यूनुस खान, सुभाष शर्मा व लोकेन्द्र जायसवाल का सराहनीय योगदान रहा।

साईं मंदिर के स्थापना दिवस पर हुआ भंडारा

अनोखा तीर, खंडवा।

टैगोर कॉलोनी स्थित श्री साईं मंदिर के 22वें स्थापना दिवस पर मंगलवार को विशाल आम भंडार आयोजित हुआ। नगर के साथ ही अन्य शहरों से भी आए साईं भक्तों ने भी प्रसादी ग्रहण की। यह जानकारी देते हुए साईं भक्त परिवार के निर्मल मंगवानी ने बताया कि श्री साईं मंदिर के स्थापना दिवस पर मंदिर में प्रातः 10 बजे भगवान सत्यनारायण की कथा का आयोजन एवं हवन यज्ञ पश्चात दोपहर 01 बजे से देर शाम तक विशाल आम भंडार आयोजित हुआ। जिसमें क्षेत्रवासियों के साथ ही अन्य शहरों से भी आए साईं भक्तों ने प्रसादी प्राप्त की। इस दौरान मंदिर क्षेत्र को रंग बिरंगे फूलों एवं रंगोली की साज-सज्जा कर सजाया गया था। जो की श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर बड़ी संख्या में श्रद्धालुजनों के साथ साईं भक्त परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

मतदाताओं के माथे पर रखा जा रहा कोरोना काल की सेवा का छप्पर

- नगर निगम चुनाव प्रचार के दौरान वार्ड-वार्ड में अहसान जताते मांग रहे वोट

अनोखा तीर, देवास।

बीते वर्षों में कोरोना का भयावह दौर सभी ने देखा हे। अनेक हसंती खेलती जिन्दगियॉ मौत के आगोश में समा गई। लॉकडाउन के दौर में गरीब, मेहनतकश, मध्यमवर्गीय परिवारों के सामने पेट भरने की समस्या उत्पन्न हो गई। जीवन को बचाने, गरीबों, जरूरतमंदो की सेवा के निमित्त अनेक धार्मिक, सामाजिक संगठन आगे आए। भंडारे आयोजित किए गए, पैकेट वितरित किए गए। शासन, प्रशासन ने भी व्यवस्थाओं में जी-जान लगा दी। विविध संगठनों, संस्थाओं द्वारा चलाए गये सेवा के प्रकल्प से व्यवसायी, उद्योगपति सहित राजनीतिक दल से जुडें छोटे बडें जनप्रतिनिधि भी जुड़े, इसमे कोई दो राय नहीं है। जिससे जितनी बन पड़ी, अपने अपने सामर्थ्य के हिसाब से सभी ने गरीबों, जरूरतमंदों की सेवा में हाथ बढ़ाए, लेकिन मानवीय संवेदनाओं के आधार पर कोरोना के भयावह काल में की गई जनसेवा का छप्पर नगर निगम चुनाव में मतदाताओं के माथे पर रखा जा रहा है। सर्वविदित मान्यता है कि दान या सेवा का अहसान जताने से पूण्य अर्थात सुफल की प्राप्ति नहीं होती। इससे उलट शहर के लगभग सभी वार्डो में पार्षद पद के प्रत्याशी कोरोना के संकट काल में किए गए छोटे बड़े सेवा कार्य को वोट बंटोरने के लिए भुनाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। सिर्फ पार्षद प्रत्याशी ही नहीं अपितु बड़े नेता भी अपने प्रत्याशी को योग्य, कर्मठ, जनसेवक, सेवाभावी बताते हुए कोरोना काल की याद दिलाते, भावुक होते हुए मतदाताओं को सेवा के अहसान तले लादने से पीछे नहीं हट रहे हैं। फिलहाल नेताओं द्वारा जताएं जा रहे सेवा के अहसान के बोझ नीचे दबता हुआ मतदाता चुप्पी साधे हुए है, शांत, मौन है। मतदाता की चुप्पी मतदान के दिन किसे सेवा का पुण्य, फल प्रदान करेगी। इस पर सभी की निगाहें टिकी हुई है।

सरकारी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों को कराएंगे गिरफ्तार

- **अनुज प्रजापति ने अग्निपथ योजना का किया समर्थन**

अनोखा तीर, देवास।

अपने ओजस्वी भाषणों एवं समाजसेवा से शहर में अलग छवि बनाने वाले अनुज प्रजापति ने अग्निपथ योजना का समर्थन किया। साथ ही कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इसमें भाग लेकर देश सेवा करनी चाहिए। अनुज जो कि एक एनसीसी सीनियर भी रहे है उन्होंने बताया कि सेना के साथ रहकर जो अनुशासन मिलता है वह राष्ट हित में सदैव कार्य आता है। नेतृत्व करने की क्षमता विकसित होती है एवं राष्ट्र निर्माण में सहायता मिलती है। प्रजापति ने सरकार के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत एक युवाओं का देश है और युवाओं को सशक्त बनाते हुए उनमें अनुशासन की भावना को जाग्रत करते हुए राष्ट्र को समृद्ध बनाने की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसका विरोध कर रहे छात्रों से निवेदन किया कि वह सोशल मीडिया की भ्रामक जानकारी में ना आकर इस योजना के बारे समझे। यह भी आश्वत किया की देवास में अगर कोई इसका विरोध करता है तो उसका अधिकार है किन्तु सरकारी या निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया गया तो वह प्रशासन के साथ खड़े होकर ऐसे लोगो को गिरफ्तार करवाएंगे जो विरोध की आड़ में सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का कार्य करेंगे। अनुज की संस्था में सैकड़ों युवाओं की टीम है जो निरन्तर समाज सेवा करती रहती है एवं राष्ट्र के मुद्दों पर सदैव विचार करती रहती है। पिछले वर्ष गजरा गेयर चौराहे पर स्थित क्रांतिकारियों की मूर्ति पर कीचड़ फेके जाने पर अनुज ने सैकड़ों युवाओं के साथ अपना शक्ति प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था तथा आज भी अग्निपथ योजना में उनकी पूरी टीम साथ खड़ी है जो कि प्रशासन की मदद के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि प्रशासन हमारी कभी भी मदद ले सकता है। उन्होंने युवाओं से संवाद करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर ज्यादा से ज्यादा अग्निपथ योजना का प्रचार करेगे तथा इस विषय में युवाओं को जागरूक करने का कार्य करेंगे।

अनमोल जीवन की रक्षा करनी है तो पूर्णतः छोड़ना होगा नशा

अनोखा तीर, देवास।

जिला प्रशासन एवं सामाजिक न्याय निशक्तजन कल्याण के निर्देशन एवं नगर निगम तथा गायत्री शक्ति पीठ के संयुक्त तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण सप्ताह के अंतर्गत तुलजा विहार मे गायत्री परिवार द्वारा नशा बन्दी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह गायत्री परिवार का 120वां आयोजन जिसमें नशा मुक्ति पर बनाई गई शार्ट फिल्म प्रोजेक्टर के माध्यम से आमजन को दिखाई गई। देवास अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के नेतृत्व में देशभर में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर नशाबंदी आयोजन संपन्न हुए इसी कड़ी में देवास में भी तुलजा विहार कॉलोनी में महादेव मंदिर पर गायत्री परिवार के मार्गदर्शन में नशा निवारण दिवस पर नशाबंदी आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें नशा मुक्ति की प्रभावी फिल्म दिखाई गई।

गायत्री परिवार के विक्रम सिंह चौधरी के अनुसार तुलजा विहार कॉलोनी में गायत्री परिवार की टीम ने पहुंचकर महादेव मंदिर पर आसपास के रहवासियों को नशे के दुष्परिणाम बताकर और प्रोजेक्ट पर फिल्म दिखाकर नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया और संकल्प दिलाया। आयोजन मे गायत्री परिवार परिजनों ने आमजन को नशे के दुष्परिणाम और बीमारियों पर होने वाले खर्च के आंकड़े बताकर लोगो को अचंभित किया और सोचने पर मजबूर किया। सिगरेट, पाउच, शराब, गांजा, भाँग सहित अन्य दुर्व्यवसन पर वर्ष में लगभग 4 से 6 लाख का खर्चा एक परिवार वहन करता है। साथ ही गायत्री परिवार ने बहुत ही प्रभावित करने वाली नशाबंदी पर आधारित शॉर्ट फिल्म आमजन को दिखाई जिससे आमजन अत्यधिक प्रभावित हुए एवं नशा छोड़ने के लिए संकल्पित हुए। आयोजन में लोगों को गायत्री परिवार द्वारा युग ऋषि आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा रचित साहित्य भी वितरित किया गया और नशा बन्दी आकड़ों के पम्पलेट वितरित किए गए और गायत्री मंत्र लेखन की पुस्तिका भी बच्चों को प्रदान की गई। उपरोक्त कार्यक्रम में नगर निगम से राघवेंद्र सेन, गायत्री पीठ से गायत्री परिवार के युवा समन्वयक प्रमोद निहाले सहित वरिष्ठ परिजन अरुण शैव, मनीष व्यास, हजारीलाल चौहान, सालीग्राम सकलेचा, प्रहलाद सोलंकी, मेहरबान सोलंकी उपस्थित रहे। जिसमें श्री निहाले एवं गायत्री परिवार द्वारा समस्त आमजन का आभार व्यक्त किया गया।

बरसात में मुख्य सड़क पर खुदाई से बन रही जाम की स्थिति, प्रशासन बेखबर

- **सीवरेज कंपनी की खुदाई से बर्बाद हुई सड़के, कीचड़ बनेगा दुर्घटना का कारण**

अनोखा तीर, नसरुल्लागंज। सीवरेज कंपनी के द्वारा बरसात में मुख्य सड़क पर की जा रही खुदाई जहां जाम की समस्या का कारण बन रही है वहीं आने वाले दिनों बरसात होने पर यही खुदाई दुर्घटना का कारण बनेंगी। खुदाई के कारण इंदौर सड़क मार्ग पूरी तरह कीचड़ से लथपथ हो चुका है ऐसे में सबसे अधिक परेशानी दुपहिया वाहन चालकों को उठाना पड़ रही है। बरसात में की जा रही खुदाई को लेकर प्रशासन पूरी तरह बेखबर है और कंपनी अपनी मनमानी करते हुए काम कर रही है।

खुदाई होने से जाम की स्थिति भी लगातार निर्मित हो रही है जिससे वाहन चालकों को आधा-आधा घंटे तक परेशान होना पड़ता है। इस मामले में प्रशासनिक स्तर पर नगर परिषद या स्थानीय प्रशासन के द्वारा कोई दिशा निर्देश कंपनी को जारी नही किए है और कंपनी अपनी मर्जी के मुताबिक ही खुदाई का काम कर रही है। वर्तमान में कंपनी सेमलपानी सड़क मार्ग से बायी और खुदाई कर पाईप लाईन डालने के काम में व्यस्त है। सीवरेज कंपनी ने इस मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया है। एक और से आगामी होने के कारण वाहनों का अत्याधिक दबाव यहां पर परेशानी बना हुआ है। स्थिति यह है कि दिन में कई बार जाम के हालात निर्मित होते है और आधे से एक घंटे तक परेशानी उठानी पड़ती है। बावजूद इसके भी कंपनी आम लोगों की समस्याओं को नजर अंदाज करते हुए खुदाई के काम में व्यस्त है। जबकि मुख्य सड़क मार्ग पर बरसात में हो रही खुदाई वाहन चालकों के लिए बड़ी परेशानी से कम नही है। हल्की बरसात होने पर ही पूरी सड़क कीचड़ से लथपथ हो जाती है जिससे फिसलन का खतरा मंडराने लगता है। बीते दिनों हल्की बरसात होने पर ऐसे हालात देखने को मिले थे। जिसमें कई दुपहिया वाहन चालकों को इसका शिकार भी होना पड़ा।

लघु ताल निर्माण में छात्राओं ने बहाया पसीना

पर्यावरण संरक्षण की एक नई इबारत : आयुक्त

अनोखा तीर, देवास। भू-जल स्तर में गिरावट एक वैश्विक समस्या है। हमारे देश में महानगरों में तो यह समस्या विकराल रूप धारण कर ही चुकी है। अब तो मध्य और छोटे शहर भी इस समस्या से अछूते नहीं रहे। स्थिति नियंत्रण से बाहर हो इसके पहले ही हमें सम्मिलित प्रयास करना होंगे। इसी के अंतर्गत शासन प्रशासन के निर्देशानुसार रूफ वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य किया जा रहा है। आजादी के अमृत मतहोत्सव में वर्षा जल सहेजना सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी विद्यालय द्वारा इस दिशा में किया गया प्रयास सराहनीय है।

छात्राओं के कड़े परिश्रम से निर्मित लघु ताल अद्भुत, अविश्वसनीय और अकल्पनीय है। लघु ताल निर्माण में छात्राओं द्वारा बहाया गया पसीना पर्यावरण संरक्षण की एक नयी इबारत लिखेगा। यदि प्रत्येक नागरिक राष्ट्रहित को अपना कर्तव्य मान ले तो छात्राओं द्वारा उच्च तापमान में किए गए अनवरत परिश्रम से मानव समाज को प्रेरणा का एक नया पुंज प्राप्त हो सकता है। महारानी चिमनाबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवास में भूजल स्तर में वृद्धि के लिए छात्राओं के परिश्रम से निर्मित लघु ताल का अवलोकन करते हुए नगर पालिक निगम देवास के आयुक्त विशाल सिंह चौहान ने उक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय प्रारंभ होने पर इतना ही परिश्रम विद्या अध्ययन में करने पर उच्च सफलता प्राप्त हो सकती है। सहायक यंत्री जगदीश वर्मा के निर्देशन में लघु ताल का निर्माण किया गया। तकनीकी बातों का भी ध्यान रखा गया। प्राचार्य दिव्या निगम के मार्गदर्शन में विद्यालय के सभी शिक्षकों के सक्रिय सहयोग से लघु ताल निर्माण में 40 से अधिक छात्राओं ने विभिन्न शासकीय एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से श्रमदान कर लगभग सवा महीने में कार्य पूर्ण किया। प्रोजेक्ट संयोजक प्रसून पंड्या थे।

सीआरपीएफ की ट्रेनिंग पूरी कर घर लौटे युवक का किया स्वागत

अनोखा तीर, देवास। सीआरपीएफ की ट्रेनिंग पूरी कर घर लौटे युवक का संस्था श्री सिद्धेश्वर के संयोजक मनीष डॉगी के नेतृत्व में स्वागत किया गया। श्री डांगी बताया कि संस्था के होनहार सदस्य अभिषेक चोडिया का सीआरपीएफ में चयन हुआ था। पिछले 15 माह से अभिषेक ट्रेनिंग पूर्ण कर पहली बार अपने घर आए। अभिषेक बहुत ही मध्यमवर्गीय परिवार से विलोम करते है। पिता मेलों में जाकर दुकान लगाते हैं। अभिषेक पढ़ने में भी होनहार था। साथ ही संस्था के सभी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। क्षेत्र में भी सभी के साथ अच्छे बुरे वक्त में खड़े रहे। सीआरपीएफ की ट्रेनिंग करके लौटे युवक का संस्था सदस्यों ने पुष्पमाला पहनाकर, प्रतीक चिन्ह भेंटकर एवं ढोल-ढमाके के

साथ स्वागत किया। इस अवसर पर संस्था वरिष्ठ एनआर दवनडे, राजेन्द्र ठाकुर, केदार सिंह सिसोदिया, रणवीर सिंह गोयल, लल्ला निखिल खाडे, छोटू मिलिंद रघुवंशी, गुड्डू, हेमंत ठाकरे, हेमंत बोहरपि, रवि राठोर, सौरभ प्रजापत, अंकित चूडिया, शेखर कुल्हारे, धीरज ठाकरे, हर्ष चड़ोकर, मोनू जड़बड़े, अश्विन डांगी, अभिषेक पांसे, श्याम मालवीय सहित संस्था सदस्य व स्थानीयजन उपस्थित थे।

आयुक्त ने वर्षाकाल को देखते निगम टीम को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

- **जल जमाव की स्थिति से निपटने राउंड द क्लाक कर्मचारियों की लगाई ड्यूटी**

अनोखा तीर, देवास।

वर्षाकाल प्रारंभ होने पर गत 23 जून को रात्रि में तेज बारिश होने पर शहर के कुछ स्थानों पर जल जमाव की स्थिति निर्मित होने पर पानी की निकासी तत्काल किए जाने हेतु आयुक्त विशाल सिंह चौहान के निर्देशन मे निगम की टीम द्वारा अपने संसाधनो से जवाहर नगर, कालानीबाग, आनंद नगर अभिनव टाकिज के पीछे के क्षेत्रों में पानी की निकासी की तत्काल व्यवस्था की गई। जिससे उक्त स्थानों पर रहवासियों को जलजमाव जैसी

स्थिति का सामना नहीं करना पड़ा। आयुक्त ने आगामी दिनो मे होने वाली बारिश को देखते हुए निगम की टीम को अलर्ट रहने को कहा साथ ही वार्डो से गुजरने वाले नालों में मिलने वाली बड़ी नालियों व छोटी नालियों का पुनः निरीक्षण कर जल जमाव वाले क्षेत्रों को चिन्हित कर उनकी निकासी करवाने के निर्देश निगम स्वास्थ्य निरीक्षको व वार्ड दरोगाओ के साथ निगम लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं। साथ ही वर्षाकाल हेतु जलजमाव जैसी स्थिति से निपटने के लिए निगम मे पृथक से स्थापित कन्ट्रोल रूम पर कर्मचारियों की राउंड द क्लाक ड्यूटी भी लगाई गई है। जिसकी प्रतिदिन मानिटरिंग की जाने के भी निर्देश निगम कार्यपालन यंत्री नागेश वर्मा, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी सौरभ त्रिपाठी को दिए गए।

संभाग स्तरीय बॉस्केट बॉल स्पर्धा में देवास बना उपविजेता

अनोखा तीर, देवास। जिला बास्केट बॉल संघ सचिव संजय पाटिल ने बताया रतलाम में 25 जून से 27 जून तक संभाग स्तरीय यूथ बास्केटबॉल स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें पूरे उज्जैन संभाग से 9 टीमो ने भाग लिया। ऊक्त स्पर्धा में देवास ने लीग मैचेस में मंदसौर को 49-22 एवं उज्जैन डिस्ट्रिक्ट को 55-18 एवं उज्जैन कारपोरेशन को 39-11 के स्कोर से पराजित किया तथा फाइनल मुकाबला रतलाम कॉर्पोरेशन तथा जिला देवास के मध्य खेला गया जिसमें 86-83 के स्कोर के साथ रतलाम विजेता तथा जिला देवास उपविजेता बना। इसी के साथ दोनों टीमो ने राज्यस्तरीय युथ बास्केटबॉल स्पर्धा के लिए क्वालीफाई किया जो कि जुलाई माह में इंदौर ने आयोजित की जाएगी।

टीम के कोच धर्मेंद्र सिंह ठाकुर एवं मैनेजर वीरेंद्र सिंह ठाकुर थे। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि पश्चिम रेल्वे मंडल के डीआरएम विनीत गुप्ता एवं मध्यप्रदेश बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष कुलविंदर गिल थे। टीम के उपविजेता होने पर जिला बास्केटबॉल संघ अध्यक्ष मनीष पनवार, रईस खान, हेमेंद्र निगम, संतोष गौड़, भारत राजपूत, राकेश लश्करी आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

न्यूज ट्रेक

कलेक्टर-एसपी ने निर्वाचन की तैयारियों का किया निरीक्षण

अनोखा तीर, बैतूल। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अमनबीर सिंह बैंस एवं पुलिस अधीक्षक सुश्री सिमाला प्रसाद द्वारा मंगलवार को घोड़ाडोंगरी एवं सारनी में निर्वाचन की तैयारियों का निरीक्षण किया गया। प्राप्त जानकारी

के अनुसार कलेक्टर श्री बैंस एवं एसपी सुश्री प्रसाद ने घोड़ाडोंगरी में शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में स्ट्रांग रूम, मतदान सामग्री वितरण एवं वापसी व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने सारनी के केन्द्रीय विद्यालय में मतदान दल के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। इसके अलावा ग्राम मेहकार में अधिकारीद्वय ने मतदान केन्द्र का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्वाचन की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नगरीय निकाय निर्वाचन में नहीं है स्टार प्रचारक का प्रावधान: निर्वाचन आयोग

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि वर्तमान में नगरीय निकाय निर्वाचन में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्टार प्रचारक के संबंध में कोई प्रावधान नहीं किए गए हैं। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी के निर्वाचन क्षेत्र में होने वाले व्यय को निर्वाचन व्यय में शामिल किया जाएगा। श्री सिंह ने बताया है कि महापौर के अभ्यर्थी के प्रकरण में संपूर्ण नगरीय निकाय क्षेत्र की सीमा तथा पार्षद के अभ्यर्थी के प्रकरण में उसके वार्ड की सीमा निर्वाचन क्षेत्र के रूप में चिन्हित है। एक ही मंच से एक से अधिक प्रत्याशियों की सभा होने की स्थिति में महापौर तथा पार्षद के प्रकरण में व्यय का विभाजन व्यय की अधिकतम सीमा के अनुपात में किया जाएगा। एक से अधिक पार्षदों की सभा के प्रकरण में पार्षदों के मध्य व्यय समान रूप से विभाजित किया जाएगा। निर्वाचन प्रचार के लिए बाहर से आने वाले व्यक्तियों पर होने वाले यात्रा व्यय को व्यय में शामिल नहीं किया जाएगा।

जब कलेक्टर बने शिक्षक

अनोखा तीर, आठनेर। अपने व्यस्थतम निर्वाचन के संबंध में दौरे पर आए जिला कलेक्टर अमनबीर सिंह बैस ने समय निकालकर अपने कर्तव्य के प्रति पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने का जो जज्बा दिखया है। उसकी लोग भूरी भूरी प्रशंसा कर रहे हैं। युवा कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस जब 27 जून को मतदान के लिए बूथों का का निरीक्षण कर रहे थे। उसी समय माध्यमिक

कन्या शाला में पढ़ाई प्रारंभ थी। जैसे ही जिला प्रमुख की नजर स्कूल में पढ़ी वे सीधे स्कूल में पहुंचे एवं छात्राओं से सीधा संवाद स्थापित करने लगे। छात्राओं ने अपने बीच जिला कलेक्टर को देखकर हलचल होने लगी। इस पर कलेक्टर ने उपस्थित शिक्षिका से पूछा कि अभी आप क्या पढ़ा रहे हो। जिस पर शिक्षिका ने बताया कि अभी विज्ञान विषय इन छात्राओं को पढ़ाया जा रहा है। जिस पर कलेक्टर ने विज्ञान विषय के संबंधित प्रश्न छात्राओं से पूछे। जिनका कुछ ने सही और कुछ ने नहीं जैसे उत्तर दिए। परंतु अपने बीच कलेक्टर को शिक्षक बना देख सारे छात्र उनकी भूरी भूरी प्रशंसा कर रहे थे।

मतदान केन्द्रों पर वाटर प्रूफ टेंट की व्यवस्था करें : घाघरे

अनोखा तीर, आठनेर। क्षेत्र में मतदान कराने को लेकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिसके अंतर्गत तहसीलदार एवं रिटर्निंग अधिकारी सुश्री लवीना घागरे अपने समकक्ष समकक्ष कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बरसात के मौसम को देखते हुए सभी १४३ बूथों पर वाटर प्रूफ टेंट की व्यवस्था की

अनिवार्य रूप से की जाए। जिससे कि मतदान करने आए नागरिकों को परेशानियों का सामना ना करना पड़े। साथ ही उन्होंने कहा कि मतदान स्थल से 200 फीट दूरी पर मोबाइल पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। मतदान केंद्र पर कोई भी मतदाता मोबाइल नहीं ले जा सकेगा। उन्होंने कहा कि मतदान स्थल पर पूरी पारदर्शिता रखे एवं सभी मतदान स्थलों पर सभी व्यवस्था पूरी कर ली गई है। बताया गया कि लाइटिंग, पेयजल, मतदान दलों के लिए भोजन व्यवस्था आदि सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है।

सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर चलाया जागरूकता अभियान

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। स्थानीय नगर पालिका द्वारा भारत सरकार पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय नई दिल्ली के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना में किए गए प्रावधानों के अनुसार निकाय में 1 जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, विक्रय और उपयोग पर प्रतिबंध लागू किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत नगरीय निकाय क्षेत्र में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध का पालन, जन जागरूकता के लिए नपा सीएमओ राकेश मिश्रा ने मोर्चा संभाला है। मंगलवार को श्री मिश्रा द्वारा जय स्तंभ चौक, गांधी चौक एवं बनापुरा बाजार आदि क्षेत्रों में स्वयं अपील, मुनादी, पैंपलेट के माध्यम से शहर के व्यापारियों, दुकानदारों एवं नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करते हुए कपड़े के झोले का उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान नपा सीएमओ श्री मिश्रा के साथ स्वच्छता निरीक्षक डॉ. प्रशांत कुमार शर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक दिनेश दुबे, निसार खान, शेखर सोनी, सचिन मलैया सहित निकाय के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे। श्री मिश्रा ने बताया के शासन के निर्देशानुसार सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध का पालन करवाने के लिए सिवनी मालवा एवं बनापुरा के लिए दो दलों का गठन किया गया है, जो प्रतिदिन जन जागरूकता का कार्य कर रहे हैं। इसके बाद भी कोई दुकानदार, नागरिक सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करते पाया जाता है, तो उन पर जुर्माने की कार्यवाही की जाएगी।

सिर पर कुल्हाड़ी मारकर सगे भाई की नृशंस हत्या

अनोखा तीर, बैतूल।

एक कलयुगी भाई ने अपने ही बड़े भाई की कुल्हाड़ी से नृशंस हत्या कर दी। मामला बैतूल जिले के साईंखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरूल बाजार का है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल की है। हत्या की घटना से क्षेत्र में सनसनी का माहौल है। उधर बोरदेही थाना क्षेत्र में भी बीते दिनों रेलवे ट्रैक पर एक व्यक्ति का शव मिला था। इस मामले में भी हत्या का संदेह है। सोमवार को एसपी सिमाला प्रसाद ने यहां मौका मुआयना किया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार साईंखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरूल बाजार में बुधराम पिता गोविंदा पाटिल 38 वर्ष की बीती रात में हत्या कर दी गई। कुल्हाड़ी से सिर पर वार कर यह हत्या की गई है। हत्या का आरोप उसी के छोटे भाई कमलेश पाटिल पर है। मृतक के बारे में बताया जाता है कि वह बिरूल बाजार में बस स्टैंड पर पोहा-जलेबी की दुकान चलाता था। इसी के चलते वह गुड्डू जलेबी के नाम से मशहूर था। हत्या क्यों की गई, इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है। सूचना पर पुलिस मौके

● साईंखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बिरूल बाजार का मामला

पर पहुंची है और जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह से स्पष्ट होगी। उधर बोरदेही थाना क्षेत्र के नवेगांव-दीपामांडई गांव के रेल्वे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। मृतक के पास एक मोबाइल मिला था। उसके आधार पर उसकी शिनाख्त चेतू पिता दशरथ 42 वर्ष के रूप में की गई थी। उपरोक्त घटनास्थल का निरीक्षण सोमवार को पुलिस अधीक्षक सिमाला प्रसाद द्वारा किया गया। उन्होंने घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही विवेचक को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मर्ग की स्थिति को जल्द ही स्पष्ट करने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीओपी नम्रता सोंधिया एवं बोरदेही टीआई जयंत मर्सकोले भी उपस्थित रहे।

बंगाली डॉक्टर ने उखाड़ दी दर्द वाली छोड़ कर दूसरी दाढ़

● विशेषज्ञ को दिखाया तो बता दिया कैंसर

अनोखा तीर, बैतूल। जिले के ग्रामीण अंचलों में आज भी लोग उन कथित डॉक्टरों के भरोसे रहते हैं जो गांव में घूम-घूम कर इलाज करते हैं। इनमें अधिकांश के पास न कोई वाजिब डिग्री होती है और न ही कहीं कोई रजिस्ट्रेशन होता है। बाजदूर इसके वे न धड़ल्ले से इलाज करते हैं, बल्कि कुछ तो बाकायदा क्लिनिक खोल कर बैठ जाते हैं। इनकी खासियत होती है कि बीमारी कितनी भी गंभीर हो, वे इलाज से कभी मना नहीं करते हैं। यह बात अलग है कि छोटी-मोटी बीमारी तो साधारणतयाः सुधर जाती है, लेकिन गंभीर बीमारी में हालात कई बार बिगड़ जाते हैं। ऐसा ही कुछ हाल भीमपुर ब्लॉक के ग्राम चोहटा निवासी गोविंद पिता लाला अखंडे के साथ हुआ है। उनकी दाढ़ में दर्द था। उन्होंने एक बंगाली डॉक्टर से इसका इलाज कराया। लेकिन, मर्ज ठीक होने के बजाय और बढ़ गया। उनकी हालत तब और खराब हो गई जब उन्होंने एक विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाया। यहां उन्हें कैंसर बता दिया गया है।

चोहटा निवासी बुजुर्ग गोविंद अखंडे ने बताया कि उन्हें दाढ़ में दर्द था। इस पर उन्होंने गांव में आने वाले बंगाली डॉक्टर को दिखाया। उसने उनकी दाढ़ उखाड़ दी। इसके बावजूद उनका दर्द कम नहीं हुआ बल्कि बढ़ता ही गया। इस पर वे महाराष्ट्र परतवाड़ा में स्थित गोठवाल मल्टीस्पेशलिटी डेंटल हॉस्पिटल गए। वहां उन्होंने डॉ. दिलीप गोठवाल को अपनी समस्या बताई। गोविंद अखंडे के अनुसार डॉ. गोठवाल ने जांच की और बताया कि पहले गलत दाढ़ उखाड़ दी गई है। उसी के चलते अब कैंसर हो चुका है। यह सुनते ही उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई। अब उनका इलाज परतवाड़ा में चल रहा है। उसमें काफी अधिक राशि लग रही है। इस बारे में जब उन्होंने बंगाली डॉक्टर को जानकारी दी और इलाज करवाने को कहा तो वह टालता रहा। इसके बाद गांव छोड़ कर ही भाग गया है।

झल्लार थाना पहुंचे रिपोर्ट दर्ज करवाने

बंगाली डॉक्टर द्वारा गलत इलाज करने और फिर उचित इलाज नहीं करवाने पर पीड़ित बुजुर्ग रिपोर्ट करने झल्लार थाना भी पहुंचे थे। हालांकि तब चुनावी व्यस्तता के चलते रिपोर्ट नहीं लिखी गई थी। अब वह बुधवार को पुन: झल्लार थाना जाएंगे और रिपोर्ट दर्ज करने की गुहार लगाएंगे। बुजुर्ग गोविंद कहते हैं कि उन्हें इस हाल में पहुंचाने वाले डॉक्टर के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करवाना चाहते हैं।

ग्रीष्मकालीन मूंग का मसला दिल्ली में होगा तय : भाकिसं

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। संभाग में बहुतायत मात्रा में उत्पादित ग्रीष्मकालीन मूंग को समर्थन मूल्य पर शासन द्वारा खरीदे जाने की मांग को भारतीय किसान संघ के केंद्रीय नेतृत्व ने गंभीरता के साथ लिया है और इसी तारतम्य में कल नई दिल्ली में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक भी आयोजित की गई है। जिसमें मप्र भारतीय किसान संघ प्रदेशाध्यक्ष कमल सिंह आंजना राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रामभरोस बासौदिया और प्रांतीय संगठन मंत्री मनीष शर्मा दिल्ली पहुंच गए हैं। संभागीय मीडिया प्रभारी शिवमोहन सिंह ने बताया कि बैठक में किसानों की इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा होगी और केंद्र एवं राज्य सरकार के प्रतिनिधियों से इस समस्या को हल करने के लिए संगठन के केंद्रीय प्रतिनिधियों द्वारा आवश्यक कदम उठाने हेतु चर्चा की जाएगी। सरकार की ओर से सकारात्मक पहल किसान हित में किए जाने की पूरी संभावना है। अन्यथा भारतीय किसान संघ सरकार पर दबाव बनाने के लिए आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। जिला अदालत के कुटुंब न्यायालय परिसर में मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय प्रियदर्शन शर्मा के मुख्यातिथ्य में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री शर्मा ने कहा कि मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से अधिकतर मामले न्यायालय में निराकरण किए जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव गौतम भट्ट विशेष रूप से मौजूद रहे। जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता सांडिल्य ने मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम के विषय में बताया कि इस प्रकार के आयोजन

से पक्षकारों को अपने मामले में सुलह करने का अवसर प्राप्त होता है। जिससे आपसी वेमनष्यता भी कम होती है। जिससे न्यायालय में लंबित मामलों को त्वरित समाधान करने में सहायक होते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता व विधिक सेवा प्राधिकरण के पैनल लॉयर मनीष सराठे ने मध्यस्थता से पारिवारिक मामले को सुलह वार्ता के माध्यम से सुलझाने की बात बताई व पक्षकारों को त्वरित न्याय मध्यस्थता के माध्यम से प्रदान किये जा रहे हैं। जिसके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं। इस अवसर पर कुटुंब न्यायालय की परामर्शदाता भगवती विष्ठ ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता दुबे मैडम, अधिवक्ता क्षमा राठौर, पैरालीगल वांलटियर सीमा कैथवास, चंद्रिका पटेल सहित अन्य अधिवक्तागण और पक्षकार उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मतदान कर्मियों के

प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

अनोखा तीर, सिवनी मालवा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने मंगलवार को सिवनी मालवा पहुंचकर यहां शासकीय कन्या महाविद्यालय बानापुरा में चल रहे मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षु की तरह मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण का अवलोकन किया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेक्टर ऑफिसर एवं पीठासीन अधिकारी को एक साथ प्रशिक्षण दिया जाए। सभी मतदान दल को प्रशासनिक अधिकारियों की तरह प्रशिक्षण दिया जाए ताकि मतदान के दौरान आने वाली समस्याओं का वे कुशलता से निराकरण कर सकें। कलेक्टर श्री सिंह ने

सिवनी मालवा जनपद में आगामी 1 जुलाई को होने वाले निर्वाचन की तैयारियों का भी जायजा लिया। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसर एवं तहसीलदार सिवनी मालवा पुष्पेंद्र निगम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रिटर्निंग ऑफिसर श्री निगम ने बताया कि द्वितीय चरण में जनपद की 81 ग्राम पंचायतों के चुनाव के लिए 236 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन मतदान केन्द्रों पर 260 मतदान दलों की ड्यूटी लगाई गई है, जिसमें 1040 मतदान कर्मी चुनाव संपन्न कराएंगे। त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के तहत द्वितीय चरण के चुनाव के लिए सिवनीमालवा में कुल 1 लाख 23 हजार 746 मतदाता मताधिकार का उपयोग करेंगे। जिनमें 65 हजार 103 पुरूष तथा 58 हजार 643 महिला मतदाता शामिल हैं।

नर्सिंग व पैरामेडिकल काउंसिल में भ्रष्टाचार के आरोप

अनोखा तीर, बैतूल। मध्यप्रदेश में फर्जी नर्सिंग व पैरामेडिकल कलेज का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस सेवादल मंडल अध्यक्ष अमन खान ने आरोप लगाया है कि प्रदेश के एकमात्र मेडिकल विश्वविद्यालय के नर्सिंग व पैरामेडिकल काउंसिल में भ्रष्टाचार किया जा रहा है। श्री खान ने बताया कि शासन को पूर्व में ही ज्ञापन सौपकर मांग की थी, नर्सिंग रजिस्टार सुनिता शिजु को तत्काल पद से हटाया जाए, नर्सिंग रजिस्टार द्वारा सत्र 2021-22 में फर्जी कालेजों को मान्यता देने में अहम भूमिका थी। जिसका असर इस वर्ष के करीब 1 लाख छात्रों को उठाना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नर्सिंग व पैरामेडिकल काउंसिल के अधिकारी अपने स्वार्थ के लिए लाखों छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हैं, जिसका सीधा असर छात्रों के भविष्य पर पड रहा है।

- **सत्र के शुरुआत में क्यों नहीं की गई मान्यता निरस्त-** उन्होंने प्रबंधन के खिलाफ सवाल उठाए कि नर्सिंग काउंसिल द्वारा 1 साल बाद कालेजों की मान्यता 2021-22 सत्र की मान्यता सत्र समाप्त होने के बाद जून 2022 में निरस्त की गई है, जिससे लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। अगर कालेज नियम के विरुद्ध संचालित हो रहे थे तो सत्र के शुरुआत में मान्यता निरस्त क्यों नहीं की गई। वहीं मेडिकल विश्वविद्यालय व नर्सिंग काउंसिल में अधिकारी खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है।

वार्ड में किया सघन जनसंपर्क

अनोखा तीर, खिरकिया। नगर के वार्ड क्र. 06 से भाजपा प्रत्याशी सोनम पियूष सोनी द्वारा प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। मंगलवार को श्रीमती सोनी ने घर-घर जाकर वार्डवासियों से मुलाकात की। साथ ही उन्होंने वार्ड के नागरिकों को मूलभूत सुविधा मुहैया कराने के लिए अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपके मतरूपी आशीर्वाद से वार्ड में हो रही रोड, नाली एवं गंदगी की समस्या से निजात दिलाई जाएगी। साथ ही वार्ड का चहुंमुखी विकास किया जाएगा।

वार्ड क्र. २३ से भाजपा प्रत्याशी प्रीति सिंघई ने मंगलवार को वार्ड में जाकर सघन जनसंपर्क कर बुजुर्गों से आशीर्वाद प्राप्त किया।

महिलाओं के साथ किया जनसंपर्क

अनोखा तीर, खिरकिया। वार्ड क्र. 04 से भाजपा प्रत्याशी नेहा रवींद्र दुआ ने भाजपा की महिला टीम के साथ वार्ड के प्रत्येक घरों में पहुंचकर सघन जनसंपर्क किया। उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि बीते १२

वर्षों से कांग्रेस परिषद होने के कारण जो विकास कार्य अवरुद्ध पड़े हुए हैं, उन्हें पूर्ण कराने के लिए नगर सरकार बनवाने के लिए आपका एक-एक वोट नगर विकास के लिए नींव का पत्थर साबित होगा। श्रीमती दुआ ने अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

वार्ड क्र. 27 से भाजपा प्रत्याशी रेखा शिवनारायण राठौर ने मंगलवार को डोर टू डोर संपर्क कर मतदाताओं से आशीर्वाद प्राप्त किया।

वार्ड क्र. 11 से कांग्रेस की उम्मींदवार अर्चना यादव ने महिला कार्यकर्ताओं के साथ वार्ड के घर-घर जाकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

शहर के वार्ड क्र. 24 से भाजपा पार्षद प्रत्याशी ओमप्रकाश मोरछले ने वार्ड में सघन जनसंपर्क कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर उनके साथ जितेंद्र खनूजा, हेमंत टाले, आशीष श्रीवास्तव, रामशंकर चौहान, राजेन्द्र राय, ओमप्रकाश शर्मा, नीरज सैनी आदि मौजूद थे।

चुनावी सभा में...

मुख्यमंत्री बोले, शहर विकास का खाका अब जनता करेगी तैयार

अनोखा तीर, खंडवा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खंडवा में महापौर प्रत्याशी अमृता अमर यादव के पक्ष में नगर निगम चौराहे पर जनसभा की। उन्होंने कहा कि अमृता यादव एवं बहुमत से परिषद लाकर खंडवा का विकास सुनिश्चित करें। जनता समझदार है। शहर के विकास में किसी तरह पैसे की कमी नहीं आने दी जाएगी। महापौर और पार्षद मिलकर विकास का खाका तैयार करेंगे। इसमें लोगों को भी शामिल करेंगे। जल योजना के लिए सौ करोड़ से ज्यादा की नई स्वीकृति भी सरकार ने कर दी है। 137 करोड़ रुपए अमृत योजना के तहत सांसद के मार्फत खंडवा-बुरहानपुर को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कमलनाथ सरकार के 18 माह आपने देख लिए हैं। हर जगह पैसे की कमी का रोना रोते थे। गरीबों के कल्याण की योजनाएं भाजपा सरकार ने लागू की थी, वे बंद कर दी गई थी। इतना ही नहीं कमलनाथ की कांग्रेस सरकार ने बजट नहीं होना बताकर मेरी बहनों के हाथ से डिलेवरी के लड्डू तक छीन लिए थे। खंडवा बायपास के लिए मास्टर प्लान व वित्त आयोग से राशि स्वीकृत कराने की जानकारी विधायक देवेंद्र वर्मा ने दी। मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि गरीब विरोधी कांग्रेस सरकार को जनता ने शाप दिया और इस सरकार को चलता कर दिया था। गरीब की थाली मैं खाली कैसे देख सकता हूं। इस पर संकट नहीं आने दिया। कहीं से भी पैसा लाऊं, गरीब को भूखा नहीं सोने दूंगा। फ्री में गरीबों को राशन बांटा गया है। स्ट्रीट पर दुकानें लगाकर, ठेला धकाकर, फल बेचकर परिवार का पेट भरने वालों को हम 10 हजार रुपए बिना ब्याज दे रहे हैं। पार्षद प्रत्याशियों को टिप्स देते हुए शिवराज सिंह ने कहा कि गरीबों के नाम योजनाओं में जुड़वाएं। कोई रह गया हो तो उससे मिलो। कहो, मामा तुम्हारा नाम जुड़वाएगा। निगम चुनाव के बाद उन्हें भी राज्य सरकार की सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। खंडवा विधायक देवेंद्र वर्मा ने पिछले सालों में जितने पैसे और योजनाएं आई उन पर प्रकाश डाला। भाजपा प्रत्याशी अमृता अमर यादव ने कहा कि पार्टी ने मुझ पर भरोसा कर टिकिट दिया है। हमारा परिवार राजनीति में पचास साल से आपकी सेवा कर रहा है। अब महापौर पद पर विजयी बनाकर मुझे भी सेवा का मौका दें। चुनावी सभा में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, मंत्री विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, जिला अध्यक्ष सेवादास पटेल, विधायक देवेंद्र वर्मा, राम दांगोरे, नारायण पटेल, महापौर प्रत्याशी अमृता अमर यादव, जिला महामंत्री राजेश तिवारी, अरुण सिंह मुन्ना, राजेश डोंगरे, पुरुषोत्तम शर्मा, हरीश कोटवाले, सुभाष कोठारी, नरेंद्र सिंह तोमर, परमजीत सिंह नारंग, कैलाश पाटीदार, प्रवक्ता सुनील जैन, नंदन करोड़ी, दिनेश पालीवाल, हर्षवर्धन सिंह, देवेंद्र सिंह यादव, केशव यादव, त्रिलोक यादव, मंगल यादव, अमर यादव, हर्षल यादव, ममता बोरसे, इंदु दुबे, कमला ठाकुर, रक्षा प्रजापति, शारदा तांदले, चारूलता यादव, अन्नपूर्णा तवर, मंगलेश तोमर, श्रृंगी उपाध्याय, भरत पटेल, बंटी चौकसे, रत्नेश राजवैद्य, प्रियांशु चौरे, अनूप पटेल, राजेन्द्र सिंह दरबार, फाजिल पटेल, बप्पी नरवाले सहित बड़ी संख्या में शहर की जनता उपस्थित थी।

भुगतान के लिए खाता अपडेट कराएं किसान

अनोखा तीर, हरदा।

रबी विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर चना उपार्जन अवधि समाप्त हो गई है। जिला विपणन अधिकारी नर्मदापुरम् ने बताया कि हरदा जिले में समर्थन मूल्य पर चना विक्रय किए गए किसानों के खाते अपडेट नहीं होने के कारण 5 कृषकों को भुगतान अटका हुआ है। अनेक बार दूरभाष से संपर्क करने के लिए प्रयास किए गएपरन्तु संपर्क नहीं हुआ। जिन किसानों को भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है, उनमें रामकृष्ण चौहान, अजुद्या पचार, मंगलसिंग, गिरजा सिरोही तथा यशवंत जाट शामिल हैं। किसान तत्काल अपने उपार्जन केन्द्र अथवा जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक या विपणन संघ के कार्यालय में संपर्क कर खाते अपडेट कराएं, जिससे किसानों को उनकी उपज विक्रय की राशि का भुगतान किया जा सके।

पुलिस ने पकड़ा साढ़े 27 किलो गांजा, एक गिरफ्तार

- पुलिस अधीक्षक ने प्रेसवार्ता में किया कार्यवाही का खुलासा
- टीआई प्रवीण चढोकर के नेतृत्व में टीम को मिली सफलता

अनोखा तीर, हरदा।

पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सिटी कोतवाली पुलिस ने गांजा तस्कर को पकड़ने में सफलता हासिल की है। टीआई प्रवीण चढोकर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साढ़े 27 किलो गांजे की बड़ी खेप पकड़ी है। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया है। जिससे अपराध के संबंध में सघन पुछताछ की जा रही है। कार्यवाही को लेकर पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम के साथ प्रेसवार्ता की। इस दौरान संपूर्ण कार्यवाही का खुलासा किया। इस मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पराजेश महोबीया, एसडीओपी हिमानी निश्रा, टीआई सिटी कोतवाली प्रवीण चढोकर सहित पुलिस टीम के सदस्य मौजूद थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रन्हाई रोड पर स्थित पुलिया के पास कार्यवाही की है। यहां एक आरोपी के कब्जे से अनुमानित 3 लाख रूपए का 27 किलो 500 ग्राम गांजा जप्त किया है। उन्होंनें बताया कि बीतें कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि कोई बाहरी व्यक्ति यहां गांजा सप्लाई करता है। सबसे पहले इसकी पुष्टि के लिए तंत्र को सक्रिय किया गया। परिणाम स्वरूप सोमवार रात 9 बजे मुखबिर से खबर मिली कि एक व्यक्ति रन्हाई रोड पर पुलिया के पास खड़ा है। उसके पास एक ट्रॉली बैग है, जिसमें गांजा होने की बात कही। साथ ही यह खेप किसी को सप्लाई करने का संकेत भी दिया। खबर के आधार पर टीम का गठन कर कार्यवाही के लिए भेजा गया। टीम ने घेराबंदी कर उस व्यक्ति को दबोच लिया। जिसने अपना नाम मनोज प्रताप सिंह पिता कुशलपाल सिंह चौहान उम्र 35 साल निवासी ग्राम नपुरा जमनेर रोड आगरा थाना मलपुरा उ.प्र. का होना बताया। उसके पास नीले रंग का ट्राली बैग भी मिला। बैग को खोलकर देखने पर उसमें टेप से बंधे 14 पैकेट मिले। जिनमें गांजा रखा हुआ था। जिसे जप्त करने के साथ ही पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया है।

कोर्ट से मांगा रिमांड

पुलिस ने बताया कि मामले के आरोपी को जिला न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड मांगा है। ताकि अपराध से संबंधित अन्य जानकारी जुटाई जा सके। पुलिस के मुताबिक आरोपी ट्रेन में सवार होकर विशाखापटनम से गांजा लेकर हरदा आया था।

इनकी महती भूमिका

पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित टीम में सिटी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रवीण चढोकर, उप निरीक्षक मनीष चौधरी, उप निरीक्षक संदीप पंदार, प्रधान आरक्षक शिवशंकर चौरे, आरक्षक तुषार धनगर, शैलेन्द्र परमार, उमेश पवार, नितिन श्रीवास्तव, हरिओम तथा जीआरपी आरक्षक विजय बांके और पुलिस सहायक अमित दवे की महती भूमिक रही।

ठेकेदार ने पाइप ऊपर कराए, खुदवाई नाली

- मामला शहर की प्रताप कालोनी का
- अन्य इलाकों में भी सुधार की जरूरत

दूसरे दिन सुधार में जुटे लोग।

अनोखा तीर, हरदा।

शहर की प्रताप कालोनी में पेयजल की पाइप लाइन नालियों में पड़े होने की खबर प्रकाशित करने के दूसरे दिन व्यवस्था में सुधार होता दिखाई दिया है। निर्माणाधीन मॉल के कर्मचारियों ने अपनी सीमा तक सभी पाइप लाइन को नाली से बाहर किया। उन्हें सड़क किनारे जमा दिया गया है। वहीं नाली में पानी का ठहराव जैसी समस्या से निपटने नाली को गहरा खोद दिया है। जिसके बाद पानी को रफ्तार मिल गई है। अब कालोनी में रहने वाले लोगों के घरों का पानी यहां नही रूकेगा, क्योंकि उसके बहाव की तमाम अड़चने दूर हो गई है। उल्लेखनीय है कि जन स्वास्थ्य से संबंधित इस मुद्दे को दैनिक अनोखा तीर ने अपने कॉलम यह बात गलत है, में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। जिस का असर होता दिखाई दिया है।

खत्म नही हुई समस्या - यह भी बता दें कि जिस जगह की हम बात कर रहे हैं, वहां समस्या पूरी तरह खत्म नही हुई है। फिलहाल मॉल की सीमा में सुधार कार्य हुआ है। जबकि यही सुधार तथा पाइप लाइन को ऊपर करने का काम थोड़ा ओर आगे तक किया जाना है। हालांकि यह कहा जा सकता है कि जहां सबसे ज्यादा रूकावट थी, वहां पानी के बहाव के लिए ढाल दे दिया गया है।

जगह-जगह यही हाल

नल कनेक्शन के लिए प्लास्टिक के पाइप का चलन बढ़ गया है, जो कि इस काम के लिए बजट में फीट बैठता है। ये पाइप लाइन साफ व सूखी जगह से होकर गुजरी हैं, तो सब कुछ ठीक है। लेकिन नाली समेत अन्य अस्वच्छ जगहों से यह पाइप लाइन आई हैं तो ध्यान रखें, यहां आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। क्योंकि इसके जरा भी क्षतिग्रस्त होने पर पेयजल की गुणवत्ता बदल सकती है।

सिराली में बनाए 16 मतदान केंद्र

अनोखा तीर, हरदा।

आगामी 6 जुलाई को नगरीय निकाय निर्वाचन के लिए मतदान होगा। इसके लिए सिराली नगर के कुल 15 वार्डों में 16 मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। रिटर्निंग अधिकारी सिराली भरत अहिरवार ने बताया कि सिराली के वार्ड क्र. 1 में स्थित किसान मोहल्ला व इंदिरा कालोनी निवासी मतदाताओं के लिए शासकीय कन्या प्राथमिक शाला सिराली के कक्ष क्र. 1 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। इसी तरह वार्ड क्र. 2 में स्थित मेघनाथ चौक क्षेत्र के मतदाताओं के लिए एकीकृत कन्या माध्यमिक शाला सिराली के कक्ष क्र. 2 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 3 में स्थित किसानी मोहल्ला, मानकर मोहल्ला व बजरंग मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र क्र.3 मेघनाथ चौक सिराली में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र.4 में स्थित मस्जिद मोहल्ला व गांधी चौक क्षेत्र के मतदाताओं के लिये शासकीय बालक हायर सेकण्ड्री शाला सिराली के अतिरिक्त कक्ष क्र1 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 5 में स्थित मस्जिद मोहल्ला व ईदगाह मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए शासकीय बालक हायर सेकण्ड्री शाला सिराली के अतिरिक्त कक्ष क्र. 2 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। इसी प्रकार वार्ड क्र. 6 में स्थित रामपुरा रोड़ कालोनी व पुराना बस स्टेण्ड कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र क्र. 5 में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 7 में स्थित नई कालोनी व पुराना बस स्टेण्ड कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए राजस्व निरीक्षक कार्यालय सिराली में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 8 में स्थित नई कालोनी फारेस्ट नाका क्षेत्र के मतदाताओं के लिए फारेस्ट नाका सिराली में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 9 में स्थित नर्मदा कालोनी थाना ग्राउण्ड व थाना ग्राउण्ड कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए ग्राम पंचायत भवन सिराली में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 10 में स्थित नहार जंगल कालोनी व फोकटपुरा कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिये आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 6 फोकटपुरा सिराली में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 11 में स्थित नहार जंगल व मालापुर रोड कालोनी क्षेत्र के मतदाताओं के लिए कृषि उपज मण्डी सिराली में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 12 में स्थित दुर्गा चौक मोहल्ला के मतदाताओं के लिए प्राथमिक शाला भवन कक्ष क्रमांक 1 मुहाड़िया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 13 में स्थित किसान मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए प्राथमिक शाला भवन कक्ष क्रमांक 2 मुहाड़िया में मतदान केन्द्र बनाया गया है। वार्ड क्र. 14 में स्थित सोलंकी मोहल्ला हरीजन मोहल्ला व राजपूत मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए प्राथमिक शाला भवन रामपुरा में मतदान केन्द्र बनाया गया है। भैरो चौकी मोहल्ला के मतदाताओं के लिए सामुदायिक भवन रामपुरा में मतदान केन्द्र बनाया गया है एवं वार्ड क्र. 15 में राजपूत मोहल्ला पडेली मोहल्ला क्षेत्र के मतदाताओं के लिए प्राथमिक शाला विक्रमपुरकला में मतदान केन्द्र बनाया गया है।

नगरीय निकाय चुनाव